बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 101 | बुधवार 2 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

पीएम को पुरस्कार पर घिरे पवार, उद्धव सेना बोली- उनके चाहने वालों को यह पसंद नहीं आएगा; कहां इशारा

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, `महाविकास अघाड़ी और INDIA के नेता ऐसे कार्यक्रमों में जाते हैं, तो लोगों के दिमाग में कंफ्यूजन पैदा होता है...।

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिग्गज नेता शरद पवार एक मंच पर होंगे। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में टूट और विपक्षी गठबंधन 'INDIA' की बढ़ती सक्रियता के बीच पुणे में बनने वाला यह नजारा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पवार के राजनीतिक साथी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने भी तंज कस दिया है। पार्टी ने मुखपत्र 'सामना' के जरिए इसे 'आश्चर्य' बताया है। साथ ही 82 वर्षीय एनसीपी नेता को नसीहत भी दे दी है। मंगलवार को पुणे के एसपी कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड दिया जाएगा। खास बात है कि यह अवॉर्ड उन्हें पवार ही देंगे। संपादकीय के अनुसार, 'दूसरा आश्चर्य यह है कि श्रीमान शरद पवार। महीने भर पहले मोदी ने ही शरद पवार की पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए व तुरंत उनकी पार्टी तोड़ दी। महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बनाकर छोड़ दिया, फिर भी शरद पवार पुणे में आज एक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मोदी की आवभगत करेंगे।'

'पसंद नहीं आएगा'

शिवसेना (यूबीटी) का दावा है कि यह पवार का यह फैसला उनके समर्थकों को पसंद नहीं आएगा।

खास बात है कि यह अवॉर्ड उन्हें पवार ही देंगे। संपादकीय के अनुसार, 'दूसरा आश्चर्य यह है कि श्रीमान शरद पवार। महीने भर पहले मोदी ने ही शरद पवार की पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए व तुरंत उनकी पार्टी तोड़ दी। महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बनाकर छोड़ दिया, फिर भी शरद पवार पुणे में आज एक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मोदी की आवभगत करेंगे।'

आगे कहा गया, 'संसद में दिल्ली सरकार के लोकतांत्रिक अधिकार खत्म करके सर्वोच्च न्यायालय के पैससले को रौंदते हुए विधानमंडल के अधिकार पर हमला करनेवाला विधेयक संसद में मंजूरी के लिए लाया जा रहा है...। श्री शरद पवार संसद में विधेयक का विरोध करने के लिए उपस्थित रहने की बजाय मोदी को पुरस्कार देंगे, यह पवार के चाहनेवालों को पसंद नहीं आएगा।'

INDIA गठबंधन की दे दी दुहाई

अटकलें हैं कि पवार की मौजूदगी ने नए विपक्षी गठबंधन में भी हलचल बढ़ा दी हैं। सामना में कहा गया, 'शरद पवार 'मराठा' हैं और शरद पवार मतलब आशादायक चेहरा, ऐसा वे खुद ही कहते हैं। तो ऐसे में उनसे अलग ही आशादायी भूमिका की अपेक्षा है।' खास बात है कि मुंबई में ही विपक्षी दलों की अगली बैठक होनी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आगामी बैठक में सीट शेयरिंग समेत कई अहम मुद्दों पर मंथन हो सकता है।

संजय राउत ने भी उठा दिए सवाल

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, महाविकास अघाड़ी और INDIA के नेता ऐसे कार्यक्रमों में जाते हैं, तो लोगों के दिमाग में कंफ्यूजन पैदा होता है...। उन्हें (पवार) को लेकर कंफ्यूजन है, INDIA गठबंधन को लेकर नहीं। उनके फैसले को लेकर कंफ्यूजन हो सकता है और उन्हें इसे दूर करना होगा। हम साथ हैं। MVA और INDIA मजबूत है।

प्रधानमंत्री ने झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के सांसदों को दिया जीत का मंत्र, अगली बैठक आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव की कमान संभाल ली है। उन्होंने सोमवार देरशाम भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ सांसदों के साथ पहली बैठक की। बैठक में झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के सांसदों के अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। यह बैठकें 10 अगस्त तक जारी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी सांसदों को इस बार पहले से भी ज्यादा सीटें जीतने का मंत्र दिया। अगले 25 साल में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य भी रखा। बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने बताया कि पार्टी की आंतरिक बैठकें हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एनडीए के 25 वर्ष पूरे होने पर यह बैठक हुई है। एनडीए 25 वर्षों से देश की सेवा कर रहा है। देश के विकास में एनडीए की महत्वपूर्ण भूमिका है। उल्लेखनीय है कि एनडीए सांसदों की अगली बैठक 2 अगस्त को उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप के लिए होगी। इसके बाद 3 अगस्त को एक और बैठक होगी, जिसमें बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर चर्चा होगी। 8 अगस्त की बैठक राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा के लिए होगी। वहीं 9 अगस्त को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, गुजरात, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के लिए बैठक होगी।

पुल से संगुएम नदी में गिरी कार, 2 साल के मासूम सहित एक की डूबने से मौत

पणजी। दक्षिण गोवा के संगुएम में तारिपांतो में एक पुल से कार नदी में जा गिरी। इस भीषण हादसे में दो साल के लड़के सहित एक की कथित तौर पर डूबने से मौत हो गई। सूत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

कार चालक लापता, तलाश जारी-कर्चोरम फायर स्टेशन के कर्मियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि सोमवार शाम को हुई घटना के बाद लापता हुए कार चालक की तलाश आज सुबह फिर से शुरू हो गई है।

एमपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की कैंपेन कमेटी

कांतिलाल भूरिया को बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के आलाकमान ने आज चुनाव प्रचार समिति का ऐलान किया है। सीनियर नेता कांतिलाल भूरिया को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, सूबे के पूर्व सीएम और वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुखिया कमलनाथ का नाम भी शामिल किया गया है। कमेटी में 32 लोगों को जगह दी गई है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के एक आधिकारिक पत्र के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तत्काल प्रभाव से एक कैंपेन कमेटी के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 34 सदस्यीय चुनाव प्रचार कमेटी के पैनल में वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह, सुरेश पचौरी, अरुण यादव,

सूबे के पूर्व सीएम और वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुखिया कमलनाथ का नाम भी शामिल किया गया है।

अजय सिंह राहुल, विवेक तन्खा, राजमणि पटेल, कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ, सज्जन सिंह वर्मा, एनपी प्रजापति, केपी सिंह कक्काजू, लक्ष्मण सिंह, बाला बच्चन, तरुण भनोट, ओंकार सिंह मरकाम, विजयलक्ष्मी साधौ, राजेंद्र सिंह, हिना कावरे, लाखन सिंह यादव, सुखदेव पांसे और जीतू पटवारी का नाम शामिल है। इसके अलावा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पूर्व प्रमुख शोभा ओझा, अखिल भारतीय सेवा दल के पूर्व प्रमुख महेंद्र जोशी, सभी विंग के राज्य प्रमुख और पार्टी के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक विंग के राज्य अध्यक्षों को भी समिति का सदस्य बनाया गया है। मध्य प्रदेश में चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सूबे में सत्ताधारी दल भाजपा ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर को प्रदेश भाजपा प्रभारी बनाया गया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

राजस्थान तक पहुंची नूंह हिंसा की आग, भरतपुर में हाई अलर्ट, कई इलाकों में इंटरनेट भी बंद

भरतपुर। हरियाणा के नूंह जिले में हिंसा से फरीदाबाद और गुरुग्राम में फैले तनाव के बाद अब राजस्थान के भरतपुर जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है। राजस्थान सरकार द्वारा एहतियात के तौर पर अब भरतपुर जिले की 4 तहसीलों में भी इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पूरे भरतपुर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। हरियाणा-भरतपुर सीमा पर कड़ी नाकेबंदी की गई है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है और सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सीमा से सटे इलाकों में सतर्कता बरती जा

रही है। गौरतलब है कि हरियाणा के नूंह जिले में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी और बजरंग दल की ब्रजमंडल 84 कोस शोभा यात्रा को रोकने के लिए एक समुदाय के लोगों द्वारा पथराव कर दिया गया था। इसके बाद हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में दो होम गार्ड्स सहित कुल 4 लोगों की मौत हो गई और लगभग एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि होमगार्ड के जवान नीरज की गोली लगने से मौत हो गई। हिंसा में मारे गए होमगार्ड के दूसरे जवान की पहचान गुरसेवक के रूप में हुई।

हरियाणा पुलिस की इन 5 नाकामियों से जल उठा नूंह

मुस्लिम बहुल नूंह में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा की यह आग बाद में सोहना, गुरुग्राम और फरीदाबाद तक फैल गई थी। हिंसा की घटनाओं के बाद सभी प्रभावित सभी जिलों में जिले में धारा-144 लागू कर लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। स्कूल-कॉलेज बंद भी हैं और जिले की सीमाएं भी सील कर दी गई हैं।

इस बीच, हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स की 20 कंपनियों को तैनात कर दिया है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बल लगातार सभी जगह गश्त कर रहे हैं।

हटिया रेलवे स्टेशन होगा मॉडल, 355 करोड़ होंगे खर्च

प्रधानमंत्री छह अगस्त को करेंगे शिलान्यास

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन बहुत जल्द मॉडल होगा। केंद्र सरकार इस पर 355 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा पिस्का रेलवे स्टेशन को भी विकसित करने के लिए 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अगस्त को दिल्ली से ऑनलाइन इन दोनों प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे। हटिया रेलवे स्टेशन राजधानी रांची का प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारतीय रेलवे के दक्षिण पूर्वी रेलवे जोन से संबद्ध है। यह स्टेशन देश के अधिकांश प्रमुख शहरों से रेलवे संजाल से जुड़ा है। हटिया स्टेशनव

इसके अलावा पिस्का रेलवे स्टेशन को भी विकसित करने के लिए 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

रांची-राउरकेला रेलवे खंड पर है। हटिया स्टेशन को स्मार्ट सिटी रांची के मेन जंक्शन के रूप में भी विकसित किया जाना है।

यौन उत्पीड़न केस में दी गवाही, अब बृजभूषण सिंह की जगह लेने को तैयार महिला पहलवान अनीता श्योराण ?

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ का चुनाव रोचक हो गया है। महासंघ के अध्यक्ष पद के मुकाबले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की गवाह रहीं अनीता श्योराण ने नामांकन दाखिल किया है। दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकीं अनीता श्योराण ने सोमवार को ही नामांकन दाखिल किया, जो आखिरी दिन था। कुश्ती महासंघ के चुनाव के लिए 12 अगस्त को मतदान होना है। यदि अनीता इस चुनाव में जीत जाती हैं तो यह अपने आप में इतिहास होगा क्योंकि वह पहली महिला अध्यक्ष होंगी। कुश्ती के खेल में अब तक पुरुष पहलवानों का ही प्रभुत्व रहा है, लेकिन अनीता श्योराण इस रीत को बदल सकती हैं। इसके अलावा बृजभूषण गुट को पटकनी देना भी एक उपलब्धि होगा। बृजभूषण शरण सिंह के समर्थकों ने भी अध्यक्ष समेत सभी 15 पदों पर

कुश्ती महासंघ के चुनाव के लिए 12 अगस्त को मतदान होना है। यदि अनीता इस चुनाव में जीत जाती हैं तो यह अपने आप में इतिहास होगा क्योंकि वह पहली महिला अध्यक्ष होंगी। कुश्ती के खेल में अब तक पुरुष पहलवानों का ही प्रभुत्व रहा है, लेकिन अनीता श्योराण इस रीत को बदल सकती हैं।

अपने नामांकन दाखिल किए हैं। ऐसे में यह भी दिलचस्प होगा कि नतीजा किसके पक्ष में जाता है। कुश्ती महासंघ के 50 सदस्य मतदाताओं और उम्मीदवारों की सूची में भी अनीता अकेली महिला हैं। अनीता का मुकाबला बृजभूषण के दो समर्थकों दिल्ली के ओलंपियन जय प्रकाश और यूपी के संजय सिंह भोला से होना है। इन दोनों ही उम्मीदवारों का बृजभूषण शरण सिंह से पुराना रिश्ता रहा है।

WFI के लिए अब भी 'कुश्ती' कर रहे बृजभूषण, 15 सीटों पर उतारे उम्मीदवार-बृजभूषण शरण सिंह पर 6 महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न का आरोप है। फिलहाल वह दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत पर हैं। उन्हें इसी मामले में चुनाव लड़ने से बेदखल किया गया है। इसके अलावा उनके परिवार के किसी सदस्य को भी चुनाव में शामिल होने की परमिशन नहीं दी गई है। मतदाता सूची में भी बृजभूषण शरण सिंह या उनके परिवार का कोई मेंबर नहीं है। इसके बाद भी बृजभूषण शरण सिंह भले ही पद गंवा चुके हैं, लेकिन रुतबा नहीं छोड़ना चाहते। उन्होंने सोमवार को कुश्ती महासंघ की प्रदेश यूनिट्स की मीटिंग बुलाई थी। इसके बाद दावा किया कि कुल 25 स्टेट यूनिट्स में से 20 उनके साथ हैं। उनके समर्थक उम्मीदवार जयप्रकाश ने भी कहा कि हमें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं विपक्षी पैनल का नेतृत्व अनीता श्योराण कर रही हैं। माना जा रहा है कि उन्हें बृजभूषण की विरोधी लॉबी का पूरा समर्थन हासिल है। अनीता यौन उत्पीड़न केस में गवाह हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि एक पीड़ित पहलवान ने उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी थी और बताया था कि जबरदस्ती बृजभूषण ने उसे गला लगा लिया था। हालांकि चुनाव को लेकर अनीता चुपचाप ही लड़ाई में हैं और टिप्पणी करने से बच रही हैं।

ठाणे में गर्डर मशीन मजदूरों पर गिरी, 17 की मौत: कई के दबे होने की आशंका; समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रात में काम चल रहा था

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे पर सोमवार देर रात हादसा हो गया। शाहपुर के पास सरलांबे में हाईवे पर पुल निर्माण के दौरान एक गर्डर लॉन्चिंग मशीन गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई है। हाईवे पर रात में निर्माण कार्य चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 1:30 बजे गर्डर मशीन 100 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गई। इसके नीचे अब भी कुछ मजदूरों के दबे होने की आशंका है। NDRF के असिस्टेंट कमांडर सारंग कुर्वे ने बताया कि रेस्क्यू का काम सुबह 5:30 बजे से जारी है। दरअसल, गर्डर मशीन का वजन काफी होने से उसे जल्दी से हटाया नहीं जा सका। सुबह करीब 8 बजे क्रेन आने के बाद ही रेस्क्यू काम में तेजी आई। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहपुर सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में 15 शव लाए जा चुके हैं। सीएम शिंदे बोले- स्विट्जरलैंड की कंपनी यहां काम कर रही थी, घटना की जांच होगी

इस घटना को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मृतकों के परिवार को 5 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यहां पर स्विट्जरलैंड की कंपनी काम कर रही थी। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

6 महीने में 88 लोगों गंवाई जान

दिसंबर 2022 में उद्घाटन के बाद से अब तक समृद्धि एक्सप्रेस वे पर 846 हादसे हुए हैं। इनमें से 105 हादसे जानलेवा थे, जिनमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। सभी हादसों को

मिलाकर 660 लोग घायल हुए हैं।

इन हादसों में से 87 हादसे गंभीर श्रेणी के थे, जिनमें 232 लोगों को गंभीर चोटें आईं, 215 सामान्य हादसे थे जिनमें 428 लोगों को हल्की चोटें आईं, जबकि 275 हादसे ऐसे थे जिसमें कोई घायल नहीं हुआ।

701 किमी लंबा एक्सप्रेसवे है समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे

समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे डिप्टी ष्टरू देवेन्द्र फडणवीस की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका नाम हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग है।

यह हाइवे मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है। जो नागपुर, वाशिम, वर्धा, अहमदनगर, बुलढाणा, औरंगाबाद, अमरावती, जालना, नासिक और ठाणे समेत दस जिलों से होकर गुजरता है।

हाइवे का निर्माण कार्य तीन फेज में हो रहा है। दो फेज का काम पूरा हो चुका है। तीसरे फेज का काम ठाणे जिले में चल रहा है। यह हादसा ठाणे के शाहपुर इलाके के सरलांबे में हुआ।

समृद्धि महामार्ग का निर्माण कार्य महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम कर रहा है। दिसंबर 2022 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरडी और नागपुर के बीच 520 किलोमीटर लंबे समृद्धि राजमार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया।

इसके बाद परियोजना के दूसरे चरण का उद्घाटन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने किया था। नागपुर से इगतपुरी तालुका के भारवीर गांव तक कुल 600 किलोमीटर की सड़क खोल दी गई है।

फिलहाल समृद्धि हाईवे नागपुर से इगतपुरी तक चल रहा है। समृद्धि राजमार्ग का आखिरी और तीसरा चरण दिसंबर 2023 तक पूरा होने की संभावना है। यह सौ किलोमीटर का चरण है।

पिछले महीने बस हादसे में मारे गए थे 25 लोग

पिछले महीने भी समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 25 लोग मारे गए थे। दरअसल, नागपुर से पुणे जा रही बस बुलढाणा जिले के सिंदखेड़ाराजा के पास पिंपलखुटा गांव के पास टकराकर पलट गई, जिससे उसमें आग लग गई थी।

बस में 33 लोग सवार थे, जिसमें 25 की जलने से मौके पर मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल थे। 8 लोगों ने बस की खिड़की का शीशा तोड़कर जान बचाई थी। यह हादसा भी रात में हुआ था।

सीमा-अंजू की प्रेम कहानी में पाकिस्तान की चाल तो नहीं

आर.के. सिन्हा

हर हालत में भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों को यह गहराई से जांच कर पता लगाना चाहिए कि सीमा कैसे भारत आ गई और अंजू भारत से पाकिस्तान कैसे चली गई। इन दोनों के कथित प्रेम के पीछे का सच सामने आना ही चाहिए। पाकिस्तान हमें बार-बार नुकसान पहुंचाता रहा है। वहां पर आम लोगों की जिंदगी कठिन होती जा रही है। राजनीतिक अस्थिरता और महंगाई के कारण आम इंसान का जीना मुश्किल हो गया है। इसलिए वहां की जनता सड़कों पर आने को बेताब है। इस सच्चाई से पाकिस्तान सरकार अवगत है। इसलिए वह कुछ इस तरह का हथकंडा अपना सकती है कि पाकिस्तान की जनता को उसके मूल सवालों से भटकाया जा सके।

आजकल सोशल मीडिया पर सीमा और अंजू की मोहब्बत से जुड़ी कहानियों को चटकारे लगाकर पेश किया जा रहा है। पर इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि कहीं इन दोनों के कथित इश्क में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों का कोई रोल तो नहीं है। ये आप सभी जानते हैं कि सीमा एक पाकिस्तानी महिला है। उसका ग्रेटर नोएडा के सचिन नाम के नौजवान से सोशल मीडिया पर इश्क का परवान चढ़ा तो वो अपना वतन और शौहर को छोड़कर नेपाल होते हुए अपने प्रेमी के पास आ गई। वो अपने साथ अपने बच्चों को भी ले आई। उधर, राजस्थान के भिवाड़ी में रहने वाली दो बच्चों की मां अंजू पाकिस्तान चली गई अपने प्रेमी से मिलने। वहां उसने निकाह के बाद इस्लाम धर्म को कुबूल भी कर लिया। अब अंजू हो गई है फातिमा। अंजू की फेसबुक के जरिये पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह प्रान्त में रहने वाले 29 साल के नसरूल्लाह से दोस्ती हुई थी, यह बताया जा रहा है ।

अब यहां हम बात करेंगे उस बड़े सवाल की, जिसकी तरफ ध्यान देने की जरूरत है। पहले बात सीमा की। सीमा बिना किसी पासपोर्ट या वीजा के नेपाल के रास्ते भारत आ गई। एक बार हम यह मान भी लेते हैं कि वह पाकिस्तान की किसी खुफिया एजेंसी से संबंध नहीं भी रखती होगी। पर एक दुश्मन देश की नागरिक का अपने चार छोटे बच्चों के साथ नेपाल से बिना किसी अवरोध या मदद के या गतिरोध ग्रेटर नोएडा तक आसानी से पहुंचना गंभीर सवाल तो खड़े करता ही है। इसी तरह से नेपाल के रास्ते पाकिस्तान के आतंकवादियों को भारत में कत्लेआम मचाने के लिए भी तो भेजा जा सकता है। पाकिस्तान ने 2008 में मुंबई में यही तो किया था। उसके बाद मुंबई हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई।

26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश किया और अचानक मुंबई के बाजार और चौराहों पर हमला कर दिया। उस आतंकी हमले में सैकड़ों लोगों की जान चली गई और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति तबाह हो गई। इसके बावजूद पाकिस्तान में उस हमले के मास्टर माइंड खुलेआम घूम रहे हैं। अगर कोई सोच रहा है

कि मुंबई हमलों के बाद सब कुछ शांत हो गया था, तो वे फिर पठानकोट और उसके बाद उरी की घटनाओं को भी जरा याद कर लें। कहने का मतलब यह है कि हमें जागना होगा। हमें याद रखना होगा कि पाकिस्तान किसी भी रास्ते से भारत की पीठ पर वार कर सकता है। क्या यह संभव नहीं है कि पाकिस्तान की ही खुफिया एजेंसियों ने ही सीमा को भारत में भेजा हो ताकि टोह ली जा सके कि हमारे निगाहबान कितने सतर्क हैं?

अब बात कर लेन अंजू से फातिमा बनी महिला की। यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि उसे मजे-मजे में पाकिस्तान का वीजा कैसा मिल गया। पाकिस्तान की एंबेसी से भारतीय नागरिकों को बहुत कम वीजा ही मिलते हैं। आप कभी पाकिस्तान की एंबेसी के गेट के बाहर जाकर खुद देख लें। उनका वीजा देने वाला गेट नेहरू पार्क की तरफ है। वहां पर बुजुर्ग मुसलमान वीजा के लिए सुबह से शाम तक बैठे होते हैं। वे सरहद के उस पार अपने करीबियों को मिलने जाना चाहते हैं। पर उन्हें पाकिस्तान वीजा देने से इनकार करता रहता है। इसलिए ही ये सवाल पूछने का मन कर रहा है कि पाकिस्तान एंबेसी ने अंजू को अपने दोस्त से मिलने का वीजा कैसे दे दिया?

पाकिस्तान में मुहाजिरों के हकों के लिए लड़ने वाली मुताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के नेता अल्ताफ हुसैन 2004 में राजधानी दिल्ली आए थे। वे तब कह रहे थे कि दोनों पड़ोसी मुल्कों के संबंध खराब होने के कारण देश के बंटवारे के समय बंट गए परिवार भी हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूसरे से दूर हो गए। कारण यह है कि अब दोनों देशों का वीजा लेना मुश्किल हो गया है। भारत तो पाकिस्तान के नागरिकों को वीजा देने में इसलिए बहुत एहतियात बरतता है, क्योंकि, वहां से पाकिस्तान भारत में आतंकी तत्वों को भेजता रहा है। हालांकि वहां से हजरत निजामुउद्दीन औलिया के उर्स में भाग लेने के लिए इस बार भी बहुत से तीर्थ यात्रियों को भारत ने वीजा दिया था। पर पाकिस्तान तो भारत के लेखकों, पत्रकारों, डॉक्टरों को भी वीजा देने से आनाकानी करता है। पर उसने अकेली अंजू को वीजा देने में गजब की जल्दी दिखाई। इसलिए शक तो होता है कि आखिर पाकिस्तान ने किस वजह से उसे फटाफट वीजा दिया।

एक दौर में हर साल सैकड़ों निकाह होते थे, जब दूल्हा पाकिस्तान का होता था और दुल्हन हिन्दुस्तानी। इसी तरह से सैकड़ों शादियों में दुल्हन पाकिस्तान की होती थी और दूल्हा हिन्दुस्तानी। सरहद के आरपार निकाह इसलिए बंद हो गए, क्योंकि; पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देता रहा। वीजा और फिर नागरिकता पाने के झंझट से बचने के लिए बहुत सारे लोग सीमा के उस पार अपना जीवन साथी खोजना बंद कर चुके हैं। पाकिस्तान के भारत के खिलाफ छद्म युद्ध जारी रखने की नीति के कारण दोनों देशों के नागरिकों को ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मुंबई हमलों से पहले दिल्ली-मुंबई में पाकिस्तान से शायर, लेखक, फिल्मी कलाकार बराबर आते रहते थे। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पाकिस्तान के मशहूर शायर अहमद फराज को लगातार देखा जा सकता था। उनका एक मशहूर शेर है- ह्यरंजिश ही सही, दिल ही दुखाने के लिए आ, आ फिर से मुझे छोड़ के जाने के लिए आ।ह्न

खैर, हर हालत में भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों को यह गहराई से जांच कर पता लगाना चाहिए कि सीमा कैसे भारत आ गई और अंजू भारत से पाकिस्तान कैसे चली गई। इन दोनों के कथित प्रेम के पीछे का सच सामने आना ही चाहिए। पाकिस्तान हमें बार-बार नुकसान पहुंचाता रहा है। वहां पर आम लोगों की जिंदगी कठिन होती जा रही है। राजनीतिक अस्थिरता और महंगाई के कारण आम इंसान का जीना मुश्किल हो गया है। इसलिए वहां की जनता सड़कों पर आने को बेताब है। इस सच्चाई से पाकिस्तान सरकार अवगत है। इसलिए वह कुछ इस तरह का हथकंडा अपना सकती है कि पाकिस्तान की जनता को उसके मूल सवालों से भटकाया जा सके।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संपादकीय

लापता लाखों महिलाएं

इन आंकड़ों पर अविश्वास का कोई कारण नजर नहीं आता कि देश में दो साल के भीतर 13.13 लाख महिलाएं और लड़कियां लापता हुईं। वजह यह कि आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने जुटाया है और संसद के पटल पर रखा गया है। वैसे इस बात की कोई गारंटी भी नहीं कि देश के दूर-दराज के इलाकों से लापता हर महिला और लड़की की गुमशुदगी भी इन आंकड़ों में शामिल हो। वैसे भी बहुत से लोग कथित इज्जत के नाम पर रिपोर्ट दर्ज कराने से गुरेज करते हैं। बहरहाल, यह किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक ही है कि महज दो साल में तेरह लाख से अधिक महिलाएं और लड़कियां गायब हो जाएं और उनकी कोई खैर-खबर न मिले। यह संकट जहां पुलिस-प्रशासन की नाकामी को दशार्ता है, वहीं समाज को भी आत्ममंथन को बाध्य करता है कि हमने ऐसी स्थितियां क्यों बनने दी कि महिलाओं ने परेशान होकर घर छोड़ा या फिर वे असामाजिक तत्वों के चंगुल में फंस गईं। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है और लापता होने का आंकड़ा बहुत बड़ा है और चीन के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर है। यह विडंबना ही है कि मणिपुर मुद्दे पर जारी राजनीतिक कोलाहल के बीच इस ज्वलंत मुद्दे पर गंभीर राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं आई। दुःखद स्थिति यह भी है कि लापता होने वाली महिलाओं में ढाई लाख की संख्या नाबालिग लड़कियों की है। कहना मुश्किल है कि वे मानव तस्करी करने वालों के हत्थे चढ़ीं या अपने किसी परिचित के साथ नये जीवन की शुरूआत के लिये निकलीं। यह कहना भी कठिन है कि 2021 के बाद स्थितियां बदल गईं और इन आंकड़ों में कुछ लाख और महिलाएं व लड़कियां शामिल नहीं होंगी। लेकिन कुल मिलाकर हमारे समाज में स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि एक आम महिला आत्मसम्मान व सुरक्षा का जीवन सहजता से जी सके। जिसको लेकर गंभीर मंथन करने की जरूरत है। बहरहाल, तेरह लाख महिलाओं व लड़कियों का लापता होना समाज में विमर्श की मांग करता है कि आखिर वे गई कहां। निश्चित रूप से हालिया वर्षों में समाज में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में खासी तेजी आई है। निर्भया कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिये जो सख्त कानून बने भी, उनका अपेक्षित प्रभाव समाज में नजर नहीं आता। आये दिन समाज में महिलाओं के अपहरण, बहला-फुसलाकर भगा ले जाने तथा मानव तस्करी के समाचार अखबारों की सुर्खियां बनते रहते हैं। ऐसे में हम इन महिलाओं के लापता होने के लिये सिर्फ सरकार को ही दोषी नहीं ठहरा सकते। पिछले दिनों कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं कि अपराधी व सिरफिरे आशिक एकतरफा प्यार में विफलता के बाद सार्वजनिक रूप से लड़कियों की हत्या करते रहे और भीड़ तमाशबीन बनी रही या वीडियो बनाने में मशगूल रही। ऐसे में महिलाओं व लड़कियों के लापता होने में समाज अपने उत्तरदायित्व से बच नहीं सकता। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई क्रूरता ने देश को दुनिया में शर्मसार किया, जहां जातीय दुश्मनी के बदले का शिकार महिलाओं को बनाया गया।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है।जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है। स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

बिना चर्चा सदन से पारित कानून अवैध?

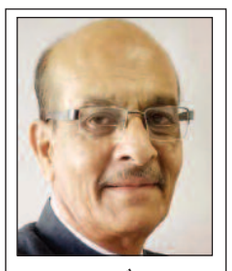

सनत जैन

पिछले कई सत्रों मे लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं में बिना चर्चा के बिल पास किए जा रहे हैं। वह कानून बन रहे हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जो कानून बनाती हैं। उसका असर नागरिकों पर पड़ता है। नागरिक अधिकार के तहत मतदाता, मतदान के माध्यम से अपने लिए विधायक और सांसद चुनते हैं। चुनाव के बाद यह माना जाता है, कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने विधानसभा क्षेत्र /लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जन भावनाओं को समझते हुए, संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही अथवा जो कानून बनाए जाते हैं, वह सदन के अंदर अपनी राय रखते हैं,विचार विमर्श होता है। बहुमत के आधार पर संसद और विधानसभाओं में कानून बनेंगे, जो लोगों के हितों का संवर्धन करने वाले होंगे। पिछले कुछ सत्रों से यह देखा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं की बैठकें बहुत कम हो रही हैं। सरकार और विपक्ष के बीच में सदन की कार्यवाही को लेकर मतभेद होता है। सरकार चाहती है, कि उसे सदन के अंदर जवाब ना देना पड़े। सरकार,विपक्ष का सामना करने से बचती है। पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों कानून बिना किसी चर्चा के लोकसभा, राज्यसभा और विधान सभाओं से पारित किए गए हैं। बिना चर्चा के जो कानून पारित किए गए हैं। क्या उन्हें वैध माना जाना चाहिए। इसको लेकर अब बड़े पैमाने पर चचाएँ शुरू हो गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो भी विधेयक पिछले वर्षों में पेश किए गए हैं, उनमें लगभग-लगभग 90 फीसदी से ज्यादा विधेयक संसदीय समिति को भी नहीं भेजे गए हैं। विधेयक संसद और विधानसभाओं में सीधे प्रस्तुत किए जा रहे हैं। संसद अथवा विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ घंटे पहले बिल एवं अन्य प्रस्ताव सांसदों और विधायकों के बीच में वितरित कर दिए जाते हैं। वह उनका अध्ययन भी नहीं कर पाते हैं। सरकार हो हल्ले और हंगामे के बीच सदन में प्रस्तुत करती है। आसंदी भी बिल पास करने की औपचारिकता को पूर्ण करा देता है। कुछ ही मिनटों में कई कानून पास कर दिए जाते हैं।

संविधान निमार्ताओं ने आसंदी को जो शक्तियां दी हैं। उन शक्तियों का प्रयोग करने में आसंदी विफल साबित होती नजर आ रही है। लोकसभा हो, राज्यसभा हो, अथवा विधानसभा में आसंदी, के पद पर बहुमत के आधार पर सत्तारूढ़ पक्ष की मेहरबानी से पद धारण करते हैं। यही दबाव उनके ऊपर आसंदी पर बैठने के बाद भी बना रहता है। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था, कि अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हो जाने के बाद, आसंदी दलगत राजनीति से अलग होगी। निर्वाचित प्रतिनिधियों का सदन होगा। सदन के अध्यक्ष सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकारों का संरक्षण करेंगे। चाहे वह सरकार हो, चाहे विपक्ष हो। सभी सांसदों और विधायकों को अपने अपने क्षेत्र की बात कहने का सदन में अधिकार होगा। जो भी नियम, कानून सदन में प्रस्तुत किए जाएंगे। उन पर सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अधिकार होगा। सदन के अंदर निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके उठाए गए हर प्रश्न का जवाब सरकार से दिलाने की जिम्मेदारी आसंदी की ही होती है। निर्वाचित प्रतिनिधियों का संवैधानिक निजी अधिकार है, इसे बहुमत के आधार पर बाधित नहीं किया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बिल्कुल उलट नजर आ रही है। चुनिंदा सांसदों अथवा विधायकों को एक या 2 मिनट में अपनी बात कहने का मौका सदन में दिया जा रहा है। सांसद और विधायक जो प्रश्न लगाते हैं। उनके उत्तर भी सरकार से नहीं मिलते है। तारांकित और अतारांकित प्रश्न लगाने में सचिवालय मनमाने तरीके से प्रश्न चयनित करते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामान्य अधिकार भी अब आसंदी के रहते हुए सदन में सुरक्षित नजर नहीं पा रहे हैं। पिछले एक दशक में लोकसभा, राज्यसभा एवं विधान सभाओं के सत्र अवधि कम होती जा रही है। पूरा सत्र हंगामे और हो-हल्ले मे खत्म हो जाता है। निर्धारित समय के पहले ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाती है। सदन में प्रस्तुत विधेयक, बजट अनुपूरक बजट विधि विधाई से संबंधित संशोधन हो -हल्ले के बीच ना और हां के जरिए मतदान कराकर आसंदी द्वारा स्वीकृत किए जा रहे हैं। सरकार जो चाहती है, वह आसंदी कर देती है। इसे संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं माना जा सकता है। आसंदी की जिम्मेदारी है,कि वह सदन की कार्रवाई मे सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दे। आसंदी को अधिकार है, कि वह सरकार और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाए। गतिरोध को दूर कराने में आसंदी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब दोनों पक्षों में विवाद शांत ना हो रहा हो। उस समय आसंदी निष्पक्षता के साथ पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति बनाने का कार्य,हमेशा से करती आई थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से आसंदी सरकार के दबाव में काम करती हुई स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। इसके कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार गतिरोध बढ़ रहा है। संसद और विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से नियमों के अनुसार संचालित हो। इसका दायित्व आसंदी का होता है। आसंदी निष्पक्ष तरीके से काम करती है, तो वह सरकार और विपक्ष पर दबाव बनाती है। अब उल्टा हो रहा है। आसंदी कहती है, सदन की कार्यवाही चलाने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार के कामकाज को निपटाने के लिए ही सत्र बुलाया जाता है। आसंदी सरकार को संरक्षण देती है। जिसके कारण आसंदी के साथ, अब विपक्ष के रिश्ते बेहतर नहीं हैं। आसंदी जब सरकार का हिस्सा बन जाती है। इसका मतलब,आसंदी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर विपक्ष को विश्वास नहीं रहता। जो भी विधेयक सदन में बिना चर्चा पारित किए जा रहे हैं। वह एक तरह से अवैध माने जाने चाहिए। सदन में बिना चर्चा कराए, आसंदी ने बिना चर्चा के जो बिल पारित किए हैं। इसे अवैधानिक ही माना जाना चाहिए। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखना है। तो इस दिशा में सभी को सोचना होगा। न्यायालयों को भी यह देखना होगा कि जो कानून बनाए गए हैं वह विधिवत तरीके से पास हुए हैं या नहीं। यदि नहीं हुए हैं,तो उन कानून और नियमों को अवैध मानते हुए, न्यायालयों को अपना निर्णय देना चाहिए। यही समय की मांग है। संवैधानिक संस्थाएं धीरे-धीरे सरकार पर आश्रित होती जा रही हैं। ऐसी स्थिति हमें राजतंत्र और तानाशाही की ओर ले जा रही है। लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

एआई-ऑटोमेशन : युवाओं को मिलेंगे वैश्विक मौके

अतुल कुमार तिवारी

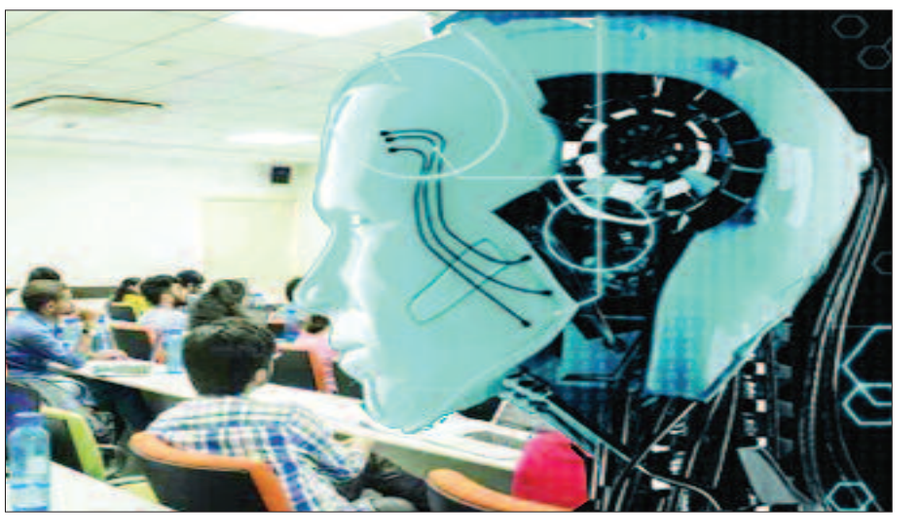

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का उदय अब भविष्य की अवधारणा ही नहीं रही है। इसने दुनिया भर के कई उद्योगों में एक नई क्रांति ला दी है।

स्वास्थ्य सेवाओं से वित्तीय सेवाओं तक, ये तकनीकें भविष्य को बदल रही हैं। इससे प्रत्येक क्षेत्र की कौशल आवश्यकताओं में भी बड़ा परिवर्तन हो रहा है। ऐसे परिवेश में भारत एक तेजी से आगे बढ़ता हुआ देश है जहां एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल शिक्षा प्रदान करने का नेतृत्व करने की आवश्यकता है।

वर्तमान में तकनीकी नवाचारों की त्वरित गति के साथ, दुनिया भर में एआई और उभरती हुई तकनीकों के कौशल विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 तक एआई और मशीन लर्निंग, दुनिया भर में 10 करोड़ नई नौकरियां सृजित करेंगे। इसके अलावा, एक आईडीसी रिपोर्ट ने यह भी अनुमान लगाया है कि वर्ष 2023 तक एआई पर वैश्विक खर्च 97.9 अरब डॉलर तक पहुंचेगा। ये आंकड़े आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में असाधारण रूप से नौकरियों में वृद्धि की संभावना को दशार्ते हैं। भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, अपने युवाओं को एआई और इंडस्ट्री 4.0 की तकनीकों में कौशल शिक्षा देना महत्त्वपूर्ण है। हमारे देश में युवा और गतिशील कार्यबल है जिन्हें भविष्य की इन नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जा सकता है, जिससे भारत एवं वैश्विक कंपनियों को कुशल श्रमिकों का एक तैयार समुदाय दिया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने 21वीं सदी के रोजगार बाजार के लिए कौशल विकास करने का महत्त्व स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, रोजगार और कौशल पर केंद्रित है और छात्रों को सही कौशल प्रदान करने में शिक्षा की भूमिका को स्वीकार करती है। केंद्र सरकार के अनेक कार्यक्रम, एआई से लैस शिक्षण प्लेटफॉर्म और दूरस्थ शिक्षा के उपकरण, छात्रों को कौशल निर्माण पर केंद्रित पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करते हैं। ये प्लेटफार्म कोडिंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उद्यमिता के पाठ्यक्रम देते हैं। इस क्षेत्र में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और स्किल इंडिया ने भी महत्त्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किए हैं। इसके साथ सरकार के कार्यक्रम, छात्रों को उद्योग-अनुकूल कायरे, प्रशिक्षुता और हैकाथॉन में शामिल होने का अवसर प्रदान करते हैं, जो छात्रों के रोजगार योग्यता वाले कौशल को सुधारने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। टेक कंपनियों के लिए एक कॉस्ट-इफेक्टिव गंतव्य होने का फायदा भी भारत को मिल रहा है।

भारत में फ्यूचर ऑफवर्क के बारे में अपने विजन को आगे बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी लीडर, इन्फ्लुएन्सर और शिक्षाविदों को एक प्लेटफार्म के रूप में लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। हाल ही में ओडिशा में जी-20 अध्यक्षता के तहत तीसरी शिक्षा कार्य समूह (एडडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान एक साथ फ्यूचर ऑफ वर्क पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें ऐसी तकनीकी को प्रदर्शित किया गया जो फ्यूचर ऑफ वर्क, मॉडर्न वर्कप्लेस में निरंतर इनोवेशन, भविष्य के कौशल और इनोवेटिव डिलीवरी मॉडल को आगे बढ़ाएगी। भविष्य को देखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान गति शक्ति पर ध्यान केंद्रित किया है, जो आधुनिक लॉजिस्टिक लेयर बनाने के लिए आवश्यक है, जिससे भारत ब्लू इकोनॉमी उत्पादों, भोजन और कृषि के वैश्विक हब के रूप में उभर रहा है। लॉजिस्टिक्स एक रोमांचक क्षेत्र होने जा रहा है और देश के युवाओं के लिए अवसरों से भरा हुआ है। यह टेक्नोलॉजी सक्षमता के विषय में है और इसमें निवेश, उद्यमशीलता और रोजगार के साथ-साथ तकनीक और उभरते सेक्टर में अवसरों की बहुत गुंजाइश है। एआई, ऑटोमेशन एवं इंडस्ट्री 4.0 जैसी उभरती हुई तकनीकों में भारतीय युवाओं का प्रशिक्षण पूरी दुनिया में उनके लिए अनेक नए अवसर ला सकता है।

वैश्विक कंपनियां उभरती हुई तकनीकों में कुशल कार्यबल की उपलब्धता के कारण भारत में अपने केंद्र स्थापित कर रही हैं। ये पहल भारतीय युवाओं को ग्लोबल कंपनियों के साथ काम करने, अपने कौशल को विकसित करने और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने वाली हैं। कौशल की मांग स्वास्थ्य, वित्त और विनिर्माण के क्षेत्र में कुशल कार्यबल, भारतीय युवाओं के लिए विभिन्न उद्योगों में काम करने के अवसरों का निर्माण कर सकता है। विशेष रूप से, ऑटोमेशन और एआई की उभरती हुई तकनीक ने दुनिया भर में काम की प्रकृति को बदल दिया है। समग्र कौशल विकास की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार, शैक्षणिक संस्थाओं और उद्योगों को एक साथ आना आवश्यक है ताकि एआई और उभरती हुई तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करके एक कौशल विकास के मजबूत ईकोसिस्टम का निर्माण हो सके। इससे न केवल कुशल कार्यबल निर्मित होगा बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि के साथ ही समग्र विकास में भी बड़ा योगदान मिलेगा।

(लेखक कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, केंद्र सरकार में सचिव हैं)

उप्र. में श्री अन्न को नए सिरे से बढ़ावा देगी योगी सरकार

सरकार द्वारा वित्त पोषित उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के माध्यम से श्री अन्न के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की जनता को ह्यपुष्टाहारह्व से लाभान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने अब मिलेट्स यानी श्री अन्न के प्रति जागरूकता को बढ़ाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के माध्यम से श्री अन्न के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इसके अंतर्गत न केवल मिलेट्स से बनने वाली रेसिपीज को बढ़ावा दिया जाएगा बल्कि उनके बारे में जागरूकता भी फैलाई जाएगी। इस कार्य योजना के अंतर्गत अब तक मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास किए गए, मगर अब एक कदम आगे बढ़ाते हुए इसे प्रदेश वृहद स्तर पर आमजन द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार का सहारा लिया जाएगा। न केवल प्रदेश के सभी जिलों में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा बल्कि इसे छात्रों के करिकुलम में भी शामिल किया जाएगा। हालांकि, उससे पहले शिक्षकों को भी जागरूक करने की आवश्यकता होगी और इसी बात को ध्यान में रखकर प्रदेश भर में अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्य को भी प्रारंभ किए जाने की तैयारी कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में मिलेट्स एक्सपोर्ट्स के लिहाज से दूसरे पायदान पर है तथा केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना है कि भारत को आगामी वर्षों में ह्यनंबर वन मिलेट्स एक्सपोर्टर कंट्रीह्न के रूप में जाना जाए। ऐसे में, देश के फूड बास्केट के तौर पर विख्यात प्रदेश भी एक बड़ी और सकरात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर को मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम को आच्छादित

करने की विस्तृत कार्य योजना को हरी झंडी दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा 01 फरवरी, 2023 से प्रदेश भर में मिलेट्स की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने का व्यापक अभियान चलाया गया जिसमें उन्हें मुफ्त बीज मिनीकिट उपलब्ध कराई गई। समाचार पत्रों व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापनों के जरिए भी मिलेट्स के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए। अब इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मिलेट्स आधारित संस्करण इकाई स्थापित किए जाने को भी प्रदेश में बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, नई विस्तृत कार्य योजना के अंतर्गत अब जिला स्तर पर मिलेट्स रेसीपी विकास, उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम, स्कूल करीकुलम व अध्यापकों के व्यापक प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। मिलेट्स को बतौर वैल्यू ऐडेड व वैल्यू प्रेस्ड प्रोडक्ट्स के तौर पर पेश किया जाएगा और इसके लिए मिलेट्स एफपीओ की देखरेख में मेलों का आयोजन किया जाएगा। मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए जिन मेलों को प्रदेश के हर जिले में आयोजित किए जाने की योजना है, उनमें मुख्य तौर पर स्कूली छात्र-छात्राओं, अभिभआवकों व शिक्षकों को जागरूक किया जाएगा। मिलेट्स के गुणों के प्रति जागरूकता लाने के लिए शैक्षणिक करिकुलम में भी इसे शामिल किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं, शुरूआती स्तर पर प्रदेश भर में 200 शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं के माध्यम से प्रदेश के अन्य शिक्षकों को भी मिलेट्स जागरूकता कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा और श्री अन्न के उपयोग, इससे जुड़े मिथकों को दूर करने व व्यापक जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए ट्रेंड किया जाएगा। में मिलेट्स को लेकर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा मिलेट्स को पहचानना तथा उसके पोषक तत्वों को लेकर निबंध लेखन, क्विज, प्रोजेक्ट वर्क आदि का आयोजन भी सुनिश्चित किए जाने की योजना है। प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी इन कार्यक्रमों को लागू कराए जाने के उत्तरदायी होंगे और सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिसमें मुख्य विकास अधिकारी बतौर उपाध्यक्ष, उप कृषि निदेशक बतौर सचिव व बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, मिलेट्स के कार्यक्रम एफपीओ व जिलाधिकारी द्वारा नामित एक प्रगतिशील कृषक बतौर सदस्य प्रतिभाग करेंगे। इन सभी गतिविधियों पर खर्च के लिए बजट उप कृषि निदेशक द्वारा पास किया जाएगा जो कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति के अनुमोदन के बाद होगा।

संक्षिप्त डायरी

बिजनौर में कई थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल

संवाददाता

बिजनौर। एसपी नीरज कुमार जादौन ने जिले की कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के कई थाना प्रभारीयो के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया। मंडावर कोतवाल संजय कुमार को पुलिस लाइन जबकि हरीश कुमार को बनाया मण्डावर कोतवाल बनाया गया है। दरअसल, बिजनौर एसपी नीरज कुमार जादौन ने जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने व जनहित में जिले भर के कई थाना प्रभारियों के तबादले किए हैं। मण्डावर थाने में तैनात संजय कुमार को पुलिस लाइन ट्रांसफर किया है जबकि हलदौर थाने में तैनात इंस्पेक्टर हरीश कुमार को मण्डावर थाने का कोतवाल बनाया है। नगीना देहात थाने के कोतवाल सवेंद्र कुमार शर्मा को क्राइम ब्रांच इन्वेस्टिगेशन विंग भेजा गया है, प्रभारी न्यायालय सुरक्षा मनीराम को प्रभारी निरीक्षक हलदौर बनाया गया है। धीरज सिंह सोलंकी को क्राइम ब्रांच इन्वेस्टिगेशन विंग से से न्यायलय सुरक्षा का प्रभारी बनाया है। स्योहारा थाने में तैनात निरीक्षक मानचंद को किरतपुर का इंस्पेक्टर अपराध बनाया है । सोशल मीडिया सेल के प्रभारी योगेंद्र सिंह को अब साइबर सेल की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। हीमपुर दीपा के थानाध्यक्ष राम प्रताप सिंह को नगीना थानाध्यक्ष बनाया गया है ,जबकि झालु चौकी इंचार्ज सुमित राठी को हीमपुर का थाना अध्यक्ष बनाया गया है। हलदौर थाना अध्यक्ष श्यामवीर सिंह को क्राइम ब्रांच इन्वेस्टिगेशन विंग भेजा गया है। योगेंद्र कुमार शर्मा को थाना नांगल से वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना कोतवाली नगर, जबकि सुभाष चंद्र को पुलिस लाइन से वरिष्ठ उपनिरीक्षक के पद पर थाना चांदपुर ट्रांसफर किया है।

रील बनाते वक्त ट्रेन की चपेट में आकर मौत: रेल ट्रैक पर 3 दोस्त बना रहे थे रील

मुरादाबाद । दोस्तों संग रेल ट्रैक पर रील बना रहे एक ऑटो चालक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हालांकि मृतक के परिजनों का कहना है कि उनके बेटे को उसके दोस्तों ने ट्रेन के आगे धक्का दिया है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन में जुटी है। घटना मझोला थाना क्षेत्र में भोला सिंह की मिलक के पास की है। रविवार शाम यहां ट्रेन की चपेट में आकर टैंपो चालक (22साल) जीशान की मौत हो गई थी। उसके पिता ने आरोप लगाया कि उसके दोस्त उसे घर से बुलाकर ले गए थे और मारपीट करने के बाद उन्होंने उसे ट्रेन के आगे फेंक दिया। पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने में तहरीर दी है। पाकबड़ा के जुम्मेरात का बाजार निवासी राशिद का बेटा जीशान टैंपो चलाता था। पिता का कहना है कि रविवार दोपहर करीब 3 बजे उनके बेटे जीशान को पाकबड़ा निवासी उसके दो दोस्त मेला दिखाने की बात कहकर घर से बुलाकर ले गए थे। आरोप है कि ये दोनों दोस्त जीशान को मझोला थाना क्षेत्र के भोला सिंह की मिलक के पास स्थित रेलवे ट्रैक के किनारे ले गए। यहां दोनों दोस्तों ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान मुरादाबाद की ओर से ट्रेन आई तो जीशान को ट्रेन के आगे फेंक दिया। ट्रेन की चपेट में आने से जीशान गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटी तो दोनों दोस्त जीशान को लेकर एपेक्स अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का कहना है कि आरोपी वहां से भागने की फिराक में थे। इसी दौरान दोनों को गार्ड ने पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। जीशान के परिजन भी सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंच गए थे। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक छानबीन के बाद पता चला है कि जीशान अपने दो दोस्तों के साथ ट्रैक किनारे मोबाइल से रील बना रहा था। तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गया। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जीशान के दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। उन्होंने बताया है कि वह तीनों भोला सिंह की मिलक के पास रेलवे ट्रैक के पास रील बनाने गए थे। जीशान पटरी पर बैठकर ट्रेन का इंतजार करने लगा था।

बिजनौर में सड़क पर मिला गुलदार का शव

संवाददाता

बिजनौर । बुंदकी इलाके में आज सड़क पर एक गुलदार का शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सड़क पार करते समय किसी वाहन से टकरा कर गुलदार की मौत की आशंका जताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा मामला बिजनौर के नजीबाबाद इलाके के बुंदकी मार्ग पर मान सरोवर पेपर मिल के पास का है जंहा मंगलवार की सुबह सड़क पर एक गुलदार का शव पड़ा मिला। गुलदार के शव की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में आसपास के काफी लोगो की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि सड़क पार करते समय किसी वाहन से टकरा कर गुलदार की मौत हुई। मौके पर पहुंचे किसानों का कहना है कि क्षेत्र में गुलदारों की संख्या बहुत ज्यादा हो गई है। गांव के आसपास काफी समय से दो गुलदार देखे जा रहे थे। जिससे क्षेत्रीय किसानों में डर का माहौल है। किसान खेती करने जाने से भी कतरा रहे हैं। मौके पर पहुंचे डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह ने गुलदार के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक गुलदार मादा है और उसकी उम्र लगभग ढाई साल बताई जा रही है।

ऑपरेशन के 24 घंटे बाद प्रसूता की मौत

शादी के 6 साल बाद मिली थी मां बनने की खुशी, पिता बोले-बेटी को डॉक्टर ने मार डाला

मुरादाबाद । एक प्रसूता की बच्चे को जन्म देने के 24 घंटे बाद मौत हो गई। महिला की मौत होने के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को पंचनामा भरकर मोर्चरी भिजवा दिया है। घटना कटघर थाना क्षेत्र में स्थित वरदान हॉस्पिटल की है। आलोक और शिल्पी की शादी छह साल पहले हुई थी। शादी के बाद से दंपती के कोई संतान नहीं थी। तमाम मन्नतों और पूजा पाठ के बाद शिल्पी को मां बनने की खुशी मिली थी। रविवार को उसने बेटे को जन्म दिया था। बेटे का चेहरा देखकर वो बेहद खुश थी। लेकिन चंद घंटों के बाद ही उसने अपनी आंखें हमेशा के लिए मूंद लीं। लड़की के पिता ने कहा कि मेरी बेटी को इन डॉक्टरों ने जानबूझकर मार डाला। शहर के मझोला थाना क्षेत्र में मिलन विहार निवासी रेलवे कर्मचारी आलोक दीक्षित ने बताया कि उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी नंदिता दीक्षित उर्फ शिल्पी को 30 जुलाई को दोपहर 2 बजे वरदान नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टर चंचल गुप्ता इलाज कर रही थीं। शाम को 5:36 बजे ऑपरेशन से शिल्पी ने बेटे को जन्म दिया। कुछ देर बाद ओटी से लाकर स्टाफ ने शिल्पी को वार्ड में शिफ्ट कर दिया था। आलोक दीक्षित ने बताया कि डिलीवरी के बाद से शिल्पी को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें पेट में कुछ हिलता हुआ महसूस हो रहा था। आलोक का कहना है कि ये समस्या डॉक्टर को बताई तो उन्होंने इसे नॉर्मल करार दिया। रात होते- होते शिल्पी की दिक्कत बढ़ने लगी। उन्हें यूरिन पास होना भी बंद हो गया। आलोक का कहना है कि इसके बाद उन्होंने कई बार डॉक्टर को आकर देखने की रिक्वेस्ट की। लेकिन डॉक्टर चंचल गुप्ता एक भी बार देखने नहीं आईं। सिर्फ स्टाफ ही ट्रीटमेंट करता रहा। आलोक दीक्षित का आरोप है कि सेकेंड ऑपरेशन के दौरान ही शिल्पी की ओटी में ही मौत हो गई थी। इसके बाद डॉक्टर बाहर आईं और कहा कि शिल्पी की हालत सीरियस है। उसे रेफर कर रहे हैं। जबकि उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने चेक किया तो शिल्पी की सांस नहीं चल रही थी। इसके बाद उन्होंने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। शिल्पी के पिता सुरेश चंद्र शर्मा मुरादाबाद के कांशीराम नगर में रहते हैं। वो फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में सिपाही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी बार-बार प्रॉब्लम बताती थी और स्टाफ उसे इंजेक्शन लगा देता था। डॉक्टर बार- बार कहने पर भी देखने नहीं आईं पूरा इलाज स्टाफ ही करता रहा। बेटी की मौत पर बिलख रहे सुरेश बोले- मेरी बेटी को इन डॉक्टरों ने जानबूझकर मार डाला है। इस मामले में वरदान हॉस्पिटल पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। मामले में जब हॉस्पिटल का पक्ष जानने के लिए डॉ. चंचल गुप्ता को कॉल किया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। सीओ गणेश गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में परिजनों ने तहरीर दी है। जांच की जा रही है।

बिजनौर सपा जिला अध्यक्ष ने नगर अध्यक्षों की घोषणा की

संवाददाता

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अनिल यादव ने जिले भर के सभी नगर अध्यक्ष पर की तैनाती ,14 नगर अध्यक्षों में से 13 नगर अध्यक्ष मुस्लिम बनाए गए हैं। जबकि मात्र एक हिंदू को ही नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। दरअसल आज समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अनिल यादव ने जिले भर के सभी नगर अध्यक्षों के पद पर तैनाती कर दी है। जिला अध्यक्ष अनिल यादव द्वारा जारी लिस्ट के मुताबिक गुलाम साबिर को बिजनौर नगर अध्यक्ष बनाया गया है जबकि फहीम खान को नजीबाबाद, नाजिम खान को चांदपुर, सुहेल इकबाल को नगीना, असलम शब्बन जुनैदी को किरतपुर, वाजिद मंसूरी को नूरपुर, प्रमोद उर्फ भोले को हल्दौर का नगर अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही डॉक्टर फारूक अहमद को नहटौर, बरकत अब्बासी को शेरकोट, शेख रफीक अहमद को मंडावर ,एहतेशाम को सहसपुर, शाहनवाज खान को साहनपुर ,हफीज यूसुफ को झालु और जावेद शेख को जलालाबाद का नगर अध्यक्ष बनाया गया है। जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने लिस्ट जारी कर सभी नवनियुक्त नगर अध्यक्ष से 1 सप्ताह के अंदर अपने कमेटी बनाकर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने और लोकसभा चुनाव में पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने का की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं जिले भर में 14 नगर अध्यक्षों में से मात्र एक हिंदू को जबकि 13 मुस्लिम नगर अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। इससे जिले भर में चचाओं का बाजार गर्म है कि लोकसभा चुनाव करीब है। ऐसे में समाजवादी पार्टी सिर्फ मुस्लिम नेताओं के सहारे ही मैदान में उतरेगी क्या उसे हिंदू नेता और वोट की जरूरत नहीं है।

वृद्धा से जबरन उठवाते थे डॉग्स का मल

आगरा । स्ट्रीट डॉग को खाना खिलाने पर दबंगों ने वृद्धा के साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि दबंग वृद्धा से जबरन सड़क से डॉग का मल उठवाते थे। विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना सिकंदरा अंतर्गत शास्त्रीपुरम राधा कुंज कालोनी निवासी 80 साल की गायत्री शर्मा ने मुकदमा दर्ज कराया है। उनका कहना है कि वो अपनी बेटे और बहू के साथ रहती हैं। उनकी कॉलोनी में दो साल पहले स्ट्रीट डॉग ने पांच पिल्लों को जन्म दिया। वो उनकी देखभाल और भोजन देने लगीं। इससे उनके पड़ोसी राजकुमार तोमर और उनकी पत्नी इसको लेकर विवाद करने लगे। आए दिन झगड़ने लगे। वो आए दिन सड़क पर उनसे डॉग का मल उठवाते। परिवार का उत्पीड़न करने लगे। 20 जुलाई को राजकुमार और उनकी पत्नी जबरन उनके घर में घुस आए। उनके व उनकी बहू के साथ मारपीट की। इसके बाद आए दिन घर का गेट खोलकर दुर्व्यवहार करने लगे।

जनता की समस्या के समाधान में हीलाहवाली पर होगी सख्त कार्रवाई: सीएम योगी

● जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिखे तल्ख तेवर ● जनता दर्शन में मुख्य सचिव, डीजीपी और प्रमुख सचिव गृह रहे मौजूद

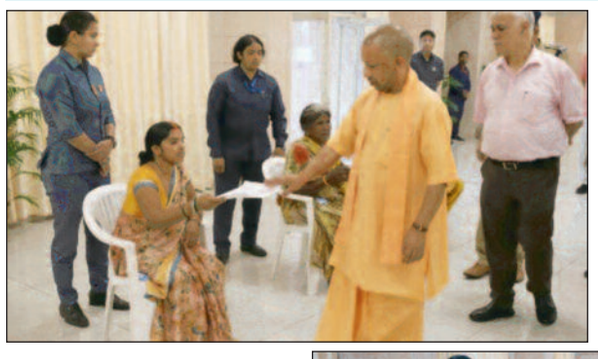

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता की समस्या के समाधान में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों को साफ संदेश दिया कि अगर वह नहीं सुधरे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को समय से अपने ऑफिस पहुंचकर जनता की समस्याएं सुनने के निर्देश दिये और प्राथमिकता के आधार पर उसका निस्तारण करने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के यह तल्ख तेवर मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन के दौरान देखने को मिले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में सौ से अधिक लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, डीजीपी विजय कुमार और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

जनता दर्शन में ज्यादातर मामले अवैध कब्जे, आपसी संपत्ति विवाद, आपसी विवाद, इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार को लेकर आए। सीएम योगी ने आए सभी लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार के पास इलाज के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा कि पैसे के अभाव में किसी भी प्रदेशवासी एवं जरूरतमंद का इलाज नहीं रुकेगा। उनके प्रार्थना पत्रों पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज से जुड़े एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन को उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोगों की रोजगार संबंधी समस्या पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक भरोसा देते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। समय पर आफिस पहुंचें अधिकारी, जनता की समस्याओं का करें निस्तारण जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को निर्देशित किया कि सभी विभागों में जनता से मिलने के समय का विशेष ध्यान रखा जाए।

इस दौरान अधिकारी अपने ऑफिस में मौजूद रहें। यदि वह किसी आवश्यक कार्य के चलते ऑफिस में नहीं उपस्थित हैं तो अपने अधीनस्थ को यह जिम्मेदारी सौंपें ताकि प्राथमिकता के आधार पर प्रदेश की जनता की समस्या का समाधान हो सके। इस मौके पर उपस्थित डीजीपी विजय कुमार को आदेश दिया कि पुलिस प्रशासन से जुड़े मामलों को लटकाया न जाए, उसे समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए। वहीं इन मामलों को ज्यादा से ज्यादा थाने स्तर पर ही निपटाया जाए ताकि जनता में पुलिस का इकबाल और मजबूत हो सके।

एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाले को गाजियाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। अगर आप भी एटीएम बूथ जाते हैं और वहां पर किसी दूसरे की मदद लेकर अपना एटीएम ऑपरेट करते हैं, तो आप भी सावधान हो जाएं। गाजियाबाद पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो लोगों की मदद करने के नाम पर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया करता था और फिर उससे पैसे निकाला करता था। पकड़े आरोपी ने अब तक कई लोगों को ठगा है। गाजियाबाद के थाना मसूरी पुलिस को चेकिंग व गस्त के दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति, जो एटीएम बूथ पर लोगों की मदद करने के बहाने उनके एटीएम बदलकर पैसे निकाल लेता है, वह एक्सिस बैंक एटीएम रफीकाबाद के पास घूम रहा है। थाना मसूरी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक्सिस बैंक एटीएम के पास से कमल पुत्र अशोक कुमार हाल निवासी ई-7 198 सुल्तानपुरी थाना सुल्तानपुरी दिल्ली उम्र करीब 30 वर्ष मूल निवासी मकान- नंबर 48/1 इन्द्रा कॉलोनी थाना सिटी, जिला रोहतक, हरियाणा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 3 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि वह बेरोजगार होने के कारण अपनी आर्थिक प्रति-पूर्ति के लिऐ दिल्ली एंव एनसीआर क्षेत्र मे एटीएम के आस-पास घूम-फिरकर रैकी करता रहता है, अक्सर कम पढ़े-लिखे एंव बुजुर्ग लोगों की मदद के बहाने उनके एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकाल लेता था।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री दर्ज,अगले कुछ दिन भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसमी औसत से एक डिग्री कम है। मौसम विज्ञानियों ने आमतौर पर बादल छाए रहने और अधिकतम

तापमान 36 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई है। मंगलवार सुबह 8.30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 79 प्रतिशत दर्ज की गई। इस बीच, आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन दिनों के दौरान पूर्व और पूर्व मध्य भारत में हल्की से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है, जबकि बुधवार और गुरुवार के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में बारिश की उम्मीद है। उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आने वाले चार दिनों तक हल्की से मध्यम छिटपुट से लेकर काफी तेज बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में गुरुवार और शुक्रवार को बारिश की संभावना रहेगी। पंजाब में गुरुवार को बारिश की उम्मीद है।

महरौली हत्याकांड : श्रद्धा के पिता ने कोर्ट से कहा, पूनावाला ने मेरी बेटी का गला घोंटने की बात कबूली

नई दिल्ली। एक चौंकाने वाले खुलासे में श्रद्धा वाकर के पिता ने दिल्ली की एक अदालत के सामने गवाही दी कि आफताब अमीन पूनावाला ने अपने हाथों से उनकी बेटी का गला घोंटने की बात कबूल की है। पीड़ित के पिता विकास वाकर ने आगे गवाही दी कि हत्या के बाद पूनावाला ने पीड़िता के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और अधिकारियों और जनता को पता न चले, इसलिए शरीर के हिस्सों को दिल्ली भर में विभिन्न उजाड़ जगहों पर फेंक दिया। उन्होंने 11 नवंबर, 2022 को महरौली पुलिस स्टेशन की अपनी यात्रा के बारे में बताया, जहां उन्होंने पूनावाला को उस व्यक्ति के रूप में पहचाना, जिसके साथ उनकी बेटी पिछले तीन वर्षों से रह रही थी। उन्होंने पुलिस को रिश्ते के दौरान उनकी बेटी के साथ लगातार होने वाले झगड़ों और शारीरिक शोषण के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पूनावाला से हत्या के दो दिन बाद श्रद्धा के खाते से एक संदिग्ध लेनदेन के बारे में पूछा गया था, लेकिन उन्होंने इसके बारे में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, जब मैंने पूनावाला से पूछा कि मेरी बेटी कहां है, तो उसने कहा कि वह अब नहीं रही।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने किया आंगनवाडी किचन का निरीक्षण

नई दिल्ली। अपने सेंट्रलाइज्ड आंगनवाडी किचनों के जरिये दिल्ली सरकार प्रतिदिन दिल्ली में प्रतिदिन आठ लाख से ज्यादा महिलाओं और बच्चों तक पौष्टिक आहार पहुंचा रही है। इस कड़ी में सुबह महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) मंत्री आतिशी ने दक्षिणी दिल्ली में तिगड़ी स्थित एक सेंट्रलाइज्ड आंगनवाडी किचन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने खाना बनाने में इस्तेमाल हो रहे अनाज व अन्य सामग्रियों की जांच की। निरीक्षण के दौरान डब्ल्यूसीडी मंत्री आतिशी ने स्वयं खाकर खाने की गुणवत्ता की भी जांच की। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री आतिशी ने कहा कि, केजरीवाल सरकार दिल्ली में हर जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों तक पौष्टिक आहार पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सरकार 11 सेंट्रलाइज्ड किचनों के जरिए प्रतिदिन दिल्ली भर में 8 लाख बच्चों और महिलाओं तक पौष्टिक पका खाना और टेक होम राशन

(टीएचआर) पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन किचनों के जरिए हम गर्भवती महिलाओं, लैकटिंग माताओं और आँगनवाडियों में आने वाले 6 माह से 3 साल तक के बच्चों को बेहतर पोषण देने का काम कर रहे है और इस दिशा में ये सेंट्रलाइज्ड किचन अहम् भूमिका निभा रहे है। डब्ल्यूसीडी मंत्री आतिशी ने साझा करते हुए कहा कि, केजरीवाल सरकार के इस सेंट्रलाइज्ड किचन के जरिये दक्षिणी दिल्ली के 775 आँगनवाडियों में आने वाले 42,000 से अधिक बच्चों व गर्भवती महिलाओं तक मुफ्त पौष्टिक आहार पहुंचाने का काम किया जाता है। साथ ही ये किचन प्रतिदिन अत्याधुनिक मशीनों के द्वारा जीरो ह्यूमन टच के साथ 6 माह से 3 साल तक के 20,000 बच्चों तथा 8000 से ज्यादा महिलाओं के लिए टेक होम राशन तैयार किया जाता है। इसमें बच्चों के लिए पैक्ड पंजरी व गर्भवती महिलाओं और लैकटिक माताओं के लिए पैक्ड खिचड़ी प्रीमिक्स व सत्तू शामिल है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के साथ हमारा उद्देश्य हर जरूरतमंद बच्चों और माताओं तक पोष्टिक आहार पहुंचाना है ताकि विकासात्मक और महत्वपूर्ण सालों में उन्हें हर जरुरी पोषण मिल सके। उन्होंने कहा कि जन्म लेने से लेकर शुरूआती कुछ साल बच्चों के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते है ऐसे में उनकी नींव मजबूत हो और सही गति में शारीरिक और मानसिक विकास हो इस दिशा में सरकार हर जरुरी कदम उठा रही है।

नोएडा में न्यूज एंकर के साथ हुआ प्रेम-साजिश और धोखा, मुकदमा दर्ज

नोएडा। देश की जानी-मानी टीवी न्यूज एंकर एक महिला ने थाना बीटा-2 में अपने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ घरेलू हिंसा और धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्रा ने बताया कि हर्ष अपार्टमेंट

अल्फा-वन ग्रेटर नोएडा में रहने वाली एक महिला टीवी न्यूज एंकर मिनाक्षी कंडवाल ने अपने पति अमित रैना, सास मुनि रैना, ससुर जवाहर रैना के खिलाफ धारा 498-ए और 504 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि उनके पति के शादी से पूर्व किसी और महिला से संबंध थे। उन्होंने उनकी मीडिया प्रोफाइल को देखकर उस महिला से संबंध तोड़कर उनके साथ शादी किया। पीड़िता ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसके पति मकान खरीदने के लिए उससे लोन करवाने और पैसे की व्यवस्था करने की बात करते हैं। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'जो बीजेपी सालों में नहीं कर पाई, हमने सिर्फ 5 महीने में किया वो काम...', भाजपा पर केजरीवाल का हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए हमला बोला है और कहा कि जो काम भाजपा 13 साल में नहीं कर पाई, वह हमने सिर्फ 5 महीने में कर दिया। सीएम केजरीवाल ने ट्वीट के माध्यम से बीजेपी पर हमला करते हुए लिखा- जो काम बीजेपी 13 साल में नहीं कर पाई, वो काम हमने सिर्फ 5 महीने में कर दिखाया।

2010 के बाद आज पहली बार नगर निगम में कमिश्नर से लेकर चपरासी तक, सफाई कर्मचारी से लेकर शिक्षक तक, माली से लेकर डीबीसी कर्मचारी तक सभी को महीने की पहली

तारीख को वेतन मिल रहा है और ये सब इसलिए हो पाया, क्योंकि अब निगम में भी आप की ईमानदार सरकार है।

अपने घर मिठाई लेकर जाए कर्मचारी- सीएम

सीएम ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, निगम के सभी कर्मचारियों से आज मेरी एक अपील है। वह मेरी तरफ से बच्चों और मां-पिताजी के लिए घर मिठाई जरूर लेकर जाए।

तंगी में प्रड्यूसर ने बढ़ाया मदद का हाथ,सीमा हैदर और सचिन को मिला फिल्मों में काम करने का ऑफर

ग्रेटर नोएडा। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर को फिल्मों में काम करने का ऑफर मिला है। काफी दिनों से वायरल हो रही सीमा और सचिन के बदहाली की खबर के बाद एक प्रड्यूसर ने उन्हें फिल्म में काम करने का ऑफर दिया है और उनकी मदद करने की पेशकश की है। मेरठ निवासी अमित जानी ने मुंबई में अपनी बन रही फिल्म में दोनों को काम करने का ऑफर दिया है। ताकि काम करके वे अपना जीवन यापन कर सकें। अमित जानी मुंबई में कन्हैया मर्डर पर फिल्म बना रहे हैं। उनका कहना है कि शुरू में हम सीमा हैदर के साथ नहीं थे लेकिन पता चला उसे और सचिन को खाने-पीने की परेशानी है तो मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मे अंजू की मदद के लिए हाथ बढ़ रहे हैं तो इधर सचिन और सीमा हैदर ने कहा है कि वे पुलिस की इन्वेस्टिगेशन के कारण काम-धंधे पर नहीं जा पा रहे हैं। सीमा और सचिन के सामने आजीविका की समस्या है, ये खबर जैसे ही वायरल हुई तो मेरठ निवासी उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अमित जानी ने सीमा-सचिन के लिए मदद का हाथ

बढ़ाया है। उन्हें अपने फिल्म प्रॉडेक्शन हाउस जानी फायरफॉक्स मे अभिनय का ऑफर दिया है। अमित जानी ने हाल ही में मुंबई में फिल्म प्रोडेक्शन हाउस बनाया है और और उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल साहू की हत्या पर ए टेलर मर्डर स्टोरी के नाम से फिल्म बना रहे हैं। इसकी रिलीज नवम्बर में होनी है।

कुख्यात गैंगस्टर दीपक बाक्सर और सचिन की तरह इन अपराधियों को भी भारत लाने की कोशिश करेगी स्पेशल सेल

नई दिल्ली। कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गिरोह से गठजोड़ करने वाले कुख्यात गैंगस्टर दीपक पहल उर्फ बाक्सर को तीन अप्रैल को मैक्सिको से भारत लाने के बाद 31 जुलाई को स्पेशल सेल द्वारा अब सचिन थापन उर्फ सचिन बिश्नोई को प्रत्यर्पण पर अजरबैजान से भारत लाना गृह मंत्रालय व स्पेशल सेल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मैक्सिको से भारत लाने में भले ही कामयाब हो गई है, लेकिन क्या इसी तरह विदेश में छिपे दूसरे अपराधियों को भारत लाया जा सकेगा। इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

NIA ने गृह मंत्रालय को सौंपी 32 से ज्यादा गैंगस्टरों की लिस्ट

दिल्ली पुलिस व राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने कुछ समय पहले दिल्ली व आसपास के राज्यों के 32 से अधिक गैंगस्टरों की गृह मंत्रालय को सूची सौंपी हैं जो विदेश में रहकर भारत में अपने गुर्गों के जरिये आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इनमें अधिकतर ऐसे देशों को अपना ठिकाना बना रखा है जहां से भारतीय पुलिस के रिश्ते अधिक मजबूत नहीं हैं। ऐसे में उन देशों से गैंगस्टरों भारत में प्रत्यर्पण मुश्किल हो सकता है।

सूत्रों की मानें तो दीपक को दिल्ली पुलिस भारत लाने में इसलिए कामयाब हो गई क्योंकि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी फेडरल ब्यूरो आफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआइ) व मैक्सिको पुलिस से इनके बेहतर संबंध है। सेल का कहना है राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीडिया, इंटरनेट मीडिया व गैंगस्टरों के गुर्गों से दीपक की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर अब

विदेश में छिपे अन्य गैंगस्टर जल्द ऐसे देशों की ओर रुख कर सकते हैं जहां से उन्हें भारत लाना मुश्किल हो सकता है।

सीबीआइ व सेल के वरिष्ठ अधिकारियों की मानें तो यूएस से किसी को भी प्रतिनियुक्त पर भारत नहीं लाया जा सकता है। यही हाल कनाडा व पुर्तगाल का भी है। क्योंकि कई साल पूर्व अंडरवर्ल्ड डान अबू सलेम को जब पुर्तगाल से भारत लाया गया था तब पुर्तगाल ने इस शर्त पर भारत को अबू सलेम को सौंपा था कि उस पर केवल एक मुकदमा चलाया जाए। भारत सरकार ने वादा किया था कि उस पर केवल एक मुकदमा ही चलाया जाएगा, लेकिन अबू को दिल्ली लाने के बाद उस पर दिल्ली व महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में दस से भी अधिक मुकदमे में आरोपित बना दिया गया। वादा तोड़ने पर पुर्तगाल सरकार ने पुर्तगाल के सुप्रीम कोर्ट और भारत के सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर शिकायत की थी। इस मामले के बाद पुर्तगाल सरकार ने वहां छिपे अपराधियों को भारत को सौंपे से साफ इन्कार कर दिया। पंजाब का गैंगस्टर हैरी चड्ढा पुर्तगाल में ही है। यही वजह है कि वह वहां सुरक्षित रहकर पंजाब में अपना सिंडिकेट चला रहा है।

जर्मनी से भी हमारे रिश्ते इसलिए ठीक नहीं है, क्योंकि जर्मनी सरकार के काफी अनुरोध पर भारत ने धोखाधड़ी के दो आरोपित सगे भाइयों को उन्हें सौंपने से इन्कार कर दिया था। इटली से भारत के रिश्ते बिगड़ गए थे, लेकिन मौजूदा समय पर रिश्ते बेहतर हुए हैं। आठ-नौ साल पूर्व इटली के दो मरीन यानी नेवी के सिपाहियों ने केरल के समुद्री तट पर कुछ मछुवारों की समुद्री लुटेरा समझकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। केरल पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया था। हालांकि बाद में सजा खत्म कर इटली को उन्हें सौंप दिया गया।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड सचिन को लाया गया भारत, फर्जी पासपोर्ट के जरिये भाग गया था विदेश

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टरमाइंड और कुख्यात गैंगस्टर सचिन बिश्नोई दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अजरबैजान से दिल्ली लेकर आ गई है।

स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के एक एसीपी, दो इंस्पेक्टर समेत करीब चार अधिकारियों की टीम अजरबैजान गई थी। लारेंस बिश्नोई के भांजे गैंगस्टर सचिन बिश्नोई को हाल ही में अजरबैजान में वहां की एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था।

गृह मंत्रालय के संपर्क में थी दिल्ली पुलिस

सचिन को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में भारी सुरक्षा के बीच स्पेशल सेल काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट अदालत के समक्ष पेश करेगी और उसकी रिमांड लेगी। सचिन जुलाई 2020 से अजरबैजान में डिटेंशन सेंटर में बंद था।वहीं, इस मामले में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारी खुद बारीकी से नजर बनाए हुए थे और दिल्ली पुलिस लगातार गृह मंत्रालय के संपर्क में थी।

सचिन बिश्नोई भारत में रहकर कई आपराधिक घटनाओं में शामिल था। उसने ही सिद्धू मूसेवाला की हत्या कराने की योजना बनाई थी। वह वारदात से पहले दिल्ली से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर अजरबैजान भाग गया था। मूसेवाला की हत्या के बाद सचिन ने इंटरनेट मीडिया पर हत्याकांड की जिम्मेदारी भी ली थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सचिन के दिल्ली आने के बाद कई बड़े मामलों को सुलझाया जाएगा। हाल के दिनों में दिल्ली समेत अन्य राज्यों में कारोबारियों से लॉरेंस के नाम पर रंगदारी मांगने के मामले भी आए थे। इसमें सचिन की भूमिका सामने आई है। जून माह में दुबई के एक कारोबारी से भी सचिन ने 50 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। इन सब मामलों के सिलसिले में भी दिल्ली पुलिस सचिन से गहन पूछताछ करेगी। इस मामले में पंजाब पुलिस की ओर से कोर्ट में चालान पेश किया जा चुका है, लेकिन मुख्य आरोपित जो विदेशों में बैठे है उन्हें वापस लाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ प्रयास किए जा रहे है। ध्यान रहे कि पिछले हफ्ते राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में लॉरेंस बिश्नोई के बेहद खास गुर्गे विक्रम बराड़ को यूएई से गिरफ्तार किया था। सिद्धू मूसेवाला की हत्या 29 मई 2022 को पंजाब के मंसा जिले में की गई थी। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले लारेंस बिश्नोई का बेहद करीबी गैंगस्टर सचिन बिश्नोई हत्या से पहले 21 अप्रैल 2022 तक भारत में था। उसके बाद उसने फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाया था और भारत से फरार हो गया था। सचिन बिश्नोई का फर्जी पासपोर्ट दिल्ली के संगम विहार इलाके के एक पते पर बनाया गया था। इस फर्जी पासपोर्ट में सचिन बिश्नोई का नकली नाम तिलक राज टुटेजा लिखा था। इसकी जानकारी एजेंसियों को तब हुई जब दक्षिण जिला पुलिस ने गैंगस्टरों के फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था।

गुरुग्राम में उपद्रवियों ने धार्मिक स्थल पर किया हमला, एक की मौत

गुरुग्राम। नूंह में हिंसक झड़प के बाद सोमवार देर रात कुछ उपद्रवियों ने गुरुग्राम के सेक्टर-57 एक धार्मिक स्थल पर हमला कर आग लगा दी। उपद्रवियों द्वारा धार्मिक स्थल पर किए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो व्यक्ति घायल हो गए हैं।

सौ से ज्यादा लोगों ने किया हमला

अंजुमन कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम ने बताया कि रात 12 बजे के बाद 100 से ज्यादा लोग एक धार्मिक के पास पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए, फिर आग लगा दी गई। इसके बाद गोलियां चलाई और तलवार से दो लोगों पर हमला किया।

इस हमले में धार्मिक स्थल में रहने वाले नायब इमाम मोहम्मद साद की मौत हो गई जो मूल रूप से बिहार का रहना वाला था, जबकि एक अन्य घायल भी हो गया। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा। बताया जाता है कि इस

बिल्डिंग के निर्माण को लेकर नजदीकी गांव वालों का पहले भी एक बार झगड़ा हो चुका है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, मौलाना साद पर उपद्रवियों ने चाकू से उनके सीने और उससे नीचे नौ बार हमला किया था।

उपद्रवियों के खिलाफ मामला दर्ज पुलिस

सेक्टर-57 में मस्जिद में आग लगाने के मामले में सेक्टर-56 पुलिस थाने की टीम ने जगह-जगह छापेमारी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कई लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

इस घटना को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने पूरे इलाके में भारी बल तैनात कर दिया है। वहीं, प्रशासन ने एहतियात के तौर पर जिन इलाकों में जो वर्ग अल्पसंख्यक है उसको ध्यान में रखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया है।

वहीं, गुरुग्राम के सेक्टर-82 इलाके में स्थिक एक धार्मिक स्थल पर उपद्रवियों द्वारा हमला कर आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भारी सुरक्षा बले तैनात कर दिया है।

ग्रेटर नोएडा में होगी टेंट व्यवसायियों की विशाल प्रदर्शनी, देश भर के टेंट व्यापारी लेंगे भाग

नोएडा। मेरठ। जी 20 कार्यक्रम से पहले प्रगति मैदान में सुरक्षा कारणों के दृष्टिगत सभी प्रदर्शनियां रद्द की गई। टेंट व्यवसायियों की विशाल प्रदर्शनी आकार 2023 का आयोजन अब इंडिया एक्सपो मार्ट ,नॉलेज पार्क 2, ग्रेटर नोएडा में होगा। आज ऑल इंडिया टेन्ट डीलर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की कार्यकारिणी सभा का आयोजन इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में किया गया। सभा की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष विपुल सिंघल ने की तथा संचालन राष्ट्रीय महामंत्री सरदार करतार सिंह कोचर ने किया।

महामंत्री सरदार करतार सिंह कोच्चर ने बताया की ऑल इंडिया टेन्ट डीलर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन तथा आकार एक्जीबिटर के संयुक्त तत्वाधान में पिछले 8 वर्षो से टेंट, मंडप, होटल, रेस्टोरेंट्स ,फ्लावर डेकोरेशन, जनरेटर, कैटरर्स तथा अन्य मंगल कार्यों से जुड़े सभी व्यवसायियों के लिए होने वाली प्रदर्शनी आकार का आयोजन प्रगति मैदान दिल्ली में होता आ रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह आयोजन प्रगति मैदान में प्रस्तावित था। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की ल20 योजना के चलते प्रगति मैदान के सभी कार्यक्रम सुरक्षा की दृष्टि से रद्द कर दिए गए हैं। इसके दृष्टिगत आकार 2023 का आयोजन इंडिया एक्सपो मार्ट नॉलेज पार्क 2 मेट्रो स्टेशन ग्रेटर नोएडा पर करना तय किया गया। आकार 2023 प्रदर्शनी का आयोजन पूर्व निर्धारित तारीख 25 अगस्त से 28 अगस्त 2023 तक किया जाएगा। प्रदर्शनी का विस्तार इस बार भव्य होने जा रहा है, लगभग साढ़े आठ सौ से अधिक सप्लायर, मैन्युफैक्चरर, इम्पोर्टर्स, थोक विक्रेता अपने समान को प्रदर्शित करने के लिए इसमें भाग लेने आ रहे हैं। यह प्रदर्शनी इतनी विशाल होगी की प्रदर्शनी में लगी प्रत्येक स्टॉल को देखने में 3 दिन का समय कम से कम लगेगा।

कालिदास ने रघुवंश की सोलह बिशेसताओ का वर्णन किया जिस पर श्री राम ने विजय प्राप्त की

राजा दशरथ के अंगनवा , खेले चारो ललनवा संगीत पर राममय हुई नोएडा

गौतम बुध नगर। श्री हनुमान सेवा न्यास और श्रीराम राज फाउंडेशन द्वारा जगतगुरु रामभद्राचार्य द्वारा नोएडा स्टेडियम में संचालित श्री रामकथा का मध्यकाल अर्थात पाँचवा दिन श्याम 5 बजे से प्रारंभ हुआ । श्रीरामचरित मानस की चौपाई और दर्शकों से जय हनुमान के उद्घोष के साथ जगतगुरु ने पंडाल को भक्तिमय माहौल से भर दिया ।सीताराम जय सीताराम के कीर्तन पर ताल ठोकते रहे और दर्शकों से निकलकर महिला श्रद्धालुओं ने मंत्रमुग्ध होकर नृत्य किया ।मीडिया प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि गुरु जी के दर्शन के लिए उनके अस्थायी आवास पर भी श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहता है और जगतगुरू लगातार दर्शन लाभ दे रहे हैं हजारो श्रद्धालु का ताँता लगा रहता है ।जगत्गुरु ने बताते हुए कहा की कालिदास ने रघुवंश की १६ विशेषताओं का वर्णन किया है जिस में सभी पर श्री राम ने विजय प्राप्त की जिसे कोई सामान्य व्यक्ति नहीं कर सकता । श्री राम के बाल्यकाल का वर्णन करते हुए जगतगुरु ने जब गाया की राजा दशरथ के अंगनवा खेले चारो ललनवा तब पूरा पंडाल एक सुर में गाने लगा और श्री राम का सजीव चित्रण सबके सामने आ गया । कथा के दौरान गुरु जी ने मणिपुर की घटना का भी ज़िक्र किया और बताया की मणिपुर में महिला के साथ हुई घटना दर्दनाक है और इसके लिए पीछे की केंद्र सरकार भी ज़िम्मेदार है जिन्हें गन्ने और चीनी में अंतर नहीं समझ आता । मंच पर आज कई गणमान्य नागरिकों द्वारा आरती का कार्यक्रम पूर्ण किया गया जिसके जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । कथा के मध्यकाल में पाँचवे दिन गुरु जी ने कहा की विस्वास दिलाता हूँ की नौवें दिन पूरा नोएडा राम मय हो जायेगा ।आयोजकों ने बताया की अधिक से लोग स्वतः आ रहे हैं फिर भी कई माध्यमो से प्रचार कार्य जारी हैं

सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज, में JEE U NEET की निशुल्क कोचिंग के लिए छात्राओं का चयन किया गया

गौतम बुध नगर। यह हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे विद्यालय की कक्षा 11 व 12 की आर्थिक रूप से कमजोर व होनहार छात्राओं का चयन अभ्युदय योजना के अंतर्गत पंचशील बालक इंटर कॉलेज में निशुल्क खएए व ठएएळ की कोचिंग हेतु हो गया है । यह योजना माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा गरीब व प्रतिभावान युवाओं को लाभान्वित करने हेतु चलाई जा रही है । यह कक्षाएं प्रतिदिन दोपहर 2:30 से 4 बजे तक आयोजित होती हैं । सभी छात्राएं विद्यालय व सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निशुल्क कोचिंग सुविधा से अत्यंत उत्साहित है तथा अपने उज्जवल भविष्य निर्माण हेतु तत्पर हैं

दिल्ली पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, विद्युत नगर मैं 'स्टैंडर्ड क्लब' का उद्घाटन किया गया

गौतम बुध नगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, एन.टी.पी.सी, विद्युत नगर में "भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब" का गठन किया गया। इस क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय मानक ब्यूरो के प्रति ज्ञान देने तथा उत्पादकों से जुड़े अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। वर्तमान समय में भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता। विद्यालय ने विद्यार्थियों के साथ साथ शिक्षक-गण तथा अभिभावक-गण के लिए भी समय-समय पर कार्यशाला आयोजित करने का उत्तरदायित्व लिया है। इस अवसर पर श्रीमान अनुज कुमार (प्रमुख, गुणवत्ता विश्लेषण विभाग, एपीएल, अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड, गाजियाबाद) और विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम दुआ जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ ईश-वंदना तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डी.पी.एस के विद्यार्थियों के संचार के साथ इस क्लब की शोभा बड़ी। श्रीमान अनुज कुमार जी ने विद्यार्थियों को इक्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा साथ ही इसकी महत्ता के बारे में ज्ञान वर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। विद्यार्थियों को इक्र के बारे में जागरूक करने के लिए एक "क्विज" का भी आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम दुआ जी ने अपने संभाषण में प्रत्येक नागरिक को भारतीय मानक ब्यूरो की नियमावली से अवगत कराया। एक उपभोक्ता के दृष्टिकोण से इसकी आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती देवी मैनन रहीं।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को लिखा पत्र

आरटीई के दाखिलों पर अधिकारियों के उदासीन रवैये से अभिभावक परेशान - जीपीए

नोएडा। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने निःशुल्क एवम अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत चयनित अलाभित समूह / दुर्बल वर्ग के बालक / बालिकाओं के दाखिलों पर जिला प्रशासन और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के उदासीन रवैये को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा को पत्र लिखा हम सभी जानते है कि जैसे जैसे समय निकलता जा रहा है वैसे वैसे आरटीई के दाखिले अधिकारियों के गले की फांस बनते जा रहे है आरटीई अधिनियम 2009 के उलघ्न करने वाले निजी स्कूलों को जहाँ अधिकारी केवल नोटिस भेजने तक सीमित है वही जीपीए ने बच्चो के आरटीई के एडमिसन को लेकर शासन प्रशासन की नाक में दम किया हुआ है गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पवन शर्मा एवम आरटीई प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि निःशुल्क एवम अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) ग के अंतर्गत अलाभित समूह / दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा 1 / पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश के लिये जिला बेसिक शिक्षा कार्यलय द्वारा 3 चरणों में लगभग 5800 से ज्यादा बच्चों का चयन किया गया था लेकिन 4 महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी जिलाधिकारी एवम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 50% बच्चों का दाखिला सुनिश्चित नही कराया जा सका है अभिभावक अपने बच्चों के दाखिले के लिए लगातार जिलाधिकारी , बेसिक शिक्षाधिकारी और स्कूलो के चक्कर काटने को मजबूर है अधिकारियों की उदासीनता के कारण निजी स्कूलों के हौसले इतने बढ़ गये है कि वो चयनित बच्चों के घर स्कूल स्टाफ को भेजकर वेरिफिकेशन करा रहे है अभिभावको से बैंक स्टेटमेंट , सहित अन्य अनावश्यक कागजातों की मांग की जा रही है इसके साथ ही बहुत से स्कूल यह कह कर अभिभावको को वापस लोटा रहे है कि उनके पास जिला बेसिक शिक्षा कार्यलय से कोई सूची नही आई है और कुछ का कहना है कि उनके यहाँ सीटे फूल हो गई है बच्चों के अभिभावको द्वारा अनेको शिकायत करने पर भी अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाई सुनिश्चित नही की गई है 5 जुलाई 2023 को पत्रांक संख्या आर. टी.ई /न. प्रा.-2 /4138 /2023-24 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा जिलाधिकारी एवम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को 15 जुलाई 2023 तक आरटीई के शत प्रतिशत दाखिले सुनिश्चित करा 20 जुलाई 2023 तक सम्पूर्ण विवरण सहित आख्या मांगी गई थी लेकिन शत प्रतिशत दाखिले सुनिश्चित कराने की 15 -07-2023 तक कि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी 50 % बच्चों के दाखिले स्कूलो में सुनिश्चित नही कराये जा सके है शिक्षा अधिकारी और जिला प्रशासन आरटीई के दाखिले नही लेने वाले स्कूलो को केवल नोटिस भेजने की कार्यवाई तक ही सीमित है लेकिन दाखिला नही लेने वाले स्कूलो पर आज तक कोई ठोस कार्यवाई सुनिश्चित नही की गई जिसके कारण निजी स्कूलों द्वारा खुलकर आरटीई अधिनियम 2009 की धज्जियां उड़ाकर बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित किया जा रहा है अलाभित समूह / दुर्बल वर्ग के पास जानकारियों का अभाव होने के कारण वो शासन और सरकार तक शिकायत पहुचाने में असमर्थ है इसलिये गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को पत्र भेजकर निवदेन किया है कि आरटीई के शत प्रतिशत बच्चों का दाखिला सुनिश्चित कराया जाये व आरटीई अधिनियम 2009 और शाशनादेशो का उलघ्न करने वाले निजी स्कूलों की मान्यता प्रत्याहरण करने के लिए निर्देशित किया जाये साथ ही आरटीई के दाखिलों के प्रति उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाई सुनिश्चित की जाये । जब तक शासन , प्रशासन और अधिकारियों द्वारा सभी बच्चों के स्कूलो में दाखिले सुनिश्चित नही कराये जाते तब तक जीपीए की टीम चुप बैठने वाली नही है

नोएडा आसमान को छुएगा तिरंगा, एल्डेको में फेहराया जाएगा एनसीआर का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज

ग्रेटर नोएडा : नोएडा के आसमान को छुएगा तिरंगा, एल्डेको में फेहराया जाएगा एनसीआर का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज Eldeco Invitation Society में जल्द ही 15 अगस्त आने वाला है। देश 77वां स्वतंत्रता दिवस (Independence Day) मनाने की तैयारी कर रहा है। इसको लेकर स्कूलों, अस्पतालों, कार्यालयों और सोसाइटी में जोर शोर से तैयारियों की जा रही हैं। ऐसे में नोएडा के सेक्टर-119 स्थित एल्डेको आमंत्रण सोसायटी (ELDICO Invitation Society) अब तक का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराकर इतिहास रचने के लिए तैयार है। तैयारी में जुटे सोसाइटी के लोग एल्डेको आमंत्रण सोसायटी में अब तक का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराने की तैयारी की जा रही है। जैसे-जैसे स्वतंत्रता दिवस नजदीक आ रहा है, सोसायटी के सदस्य 31 मीटर ऊंचे भव्य झंडे को फहराने की तैयारी में जुटे हैं। यह राष्ट्र और इसकी विरासत के प्रति उनके अटूट प्रेम का प्रतीक है। एल्डेको आमंत्रण सोसायटी की सबसे ऊंचा तिरंगा फहराने की पहल देशभक्ति और एकता का चमकदार उदाहरण है। यह अन्य समाज और समुदायों को अनोखे और असाधारण तरीकों से देश के प्रति अपना प्यार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगा। 31 मीटर ऊंचाई पर लहराएगा तिरंगा एल्डेको एओए के अध्यक्ष निखिल सिंघल ने बताया, "इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। सोसायटी के निवासियों में उत्साह है। लहराता हुआ तिरंगा, जिसकी ऊंचाई 31 मीटर (नींव और मस्तूल के साथ लगभग 108 फीट) है। देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में काम करेगा। हम आर्मी बैंड के प्रदर्शन के लिए सेना मुख्यालय धौला कुआं से भी अनुमति मांग रहे हैं। हम अनुमति लेने के लिए सेना के अधिकारियों के संपर्क में हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो स्वतंत्रता दिवस पर जब यह तिरंगा फहराया जाएगा तो सेना मुख्यालय आएगा और प्रदर्शन करेगा। लहराता हुआ तिरंगा एकता और विविधता का प्रतीकयह ध्वज हमारे देश के रणबांकुरों के बलिदान और भारत की आजादी के बाद से हुई प्रगति की निरंतर याद दिलाएगा। भारतीय होने के सार का जश्न मनाने और स्वतंत्रता की सच्ची भावना को अपनाने के लिए एक साथ आएंगे। सिंघल ने कहा कि लहराता हुआ तिरंगा भारत की एकता और विविधता के प्रतीक के रूप में होगा। 15 अगस्त को जब आसमान में तिरंगा शान से लहराएगा, तो यह भारत के मजबूत और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक बनेगा।उत्सव के बीच नीले आसमान से बात करेगा तिरंगा। स्वतंत्रता दिवस पर सुबह सूरज की पहली किरणें एल्डेको आमंत्रण में विशाल झंडे को रोशन करेंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उत्सवों की एक श्रृंखला भी होगी। एनसीआर में किसी भी सोसायटी में सबसे ऊंचा झंडा फहराने का ऐसा आयोजन निवासियों के बीच सौहार्द की भावना को बढ़ावा देगा और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना पैदा करेगा। यह ऐतिहासिक पल हर किसी के दिलों में यादगार बनकर रहेगा। आगंतुकों को देशभक्ति के इस स्मारकीय प्रदर्शन को देखने और स्वतंत्र व एकजुट भारत की भावना का जश्न मनाने के लिए प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त डायरी

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी सुभास पार्टी ने बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी(सुभास पार्टी) ने मंगलवार एक अगस्त को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र न्यू करहेड़ा ब्रह्म कॉलोनी के लोगों को राहत सामग्री वितरित की ।इस अवसर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि परेशानी की इस घड़ी में पार्टी आप लोगों के साथ खड़ी है ।पार्टी के संस्थापक सतेन्द्र यादव ने प्रशासन से उन्हें हर संभव मदद दिलाने का वायदा किया ।इस अवसर पार्टी के प्रदेश प्रभारी अनिल सिन्हा, साहिबाबाद पूर्व विधायक प्रत्याशी सुजीत तिवारी, कमल बाबू यादव, प्रदेश प्रवक्ता विनोद अकेला अवधेश कुमार प्रभा शंकर सिंह कृष्ण मोहन झा दिलीप पांडे रूमा झा सोनू कुमार सी पी सिंह उमेश कुमार संजय पासवान पन्नालाल राम गणेश सुशील राय संगीता द्विवेदी रजनीश द्विवेदी गोरख प्रसाद, विजय सिंह, अस्मिता राय,आदि समेत सैंकड़ों लोग मौजूद थे ।

सेकुलरो की हिंदू फोबिया का उदाहरण है आरपीएफ की घटना स्वामी चक्रपाणि

दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा/ संत महासभा,के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने बताया कि आरपीएफ के एक मानसिक विकृत चेतन सिंह ने चार लोगों की हत्या कर दी जिसमें तीन मुस्लिम और एक हिंदू है जो अतिनिंदनीय है,इसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन कुछ कथित सेकुलरो ने जिस प्रकार से उसको हिंदू आतंकवाद से जोड़कर और गलत एंगल की तरफ ले जाया जा रहा है ,वह कहीं ना कहीं सेकुलरो की हिंदू फोबिया या मानसिक दिवालीयापन का उदाहरण है यह भी एक आतंकवाद ही है.

हेवा के गजेन्द्र सिंह कुंडू हुए नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन।
बागपत का नाम देशभर में रोशन करने वाले प्रसिद्ध समाजसेवी एड़वोकेट गजेन्द्र सिंह कुंडू हेवा वालों को बागपत में नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित किया गया। नीरा अमृत सम्मान समिति की ओर से प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व नेशनल अवार्डी विपुल जैन ने एड़वोकेट गजेन्द्र सिंह कुंडू को पगड़ी, अंगवस्त्र पहनाकर, प्रतीक चिन्ह व गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। नीरा अमृत सम्मान धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान करने वाली शख्सियत को प्रमुख समाजसेवी रामसेवक शर्मा व डाक्टर हिमांशु शर्मा टटीरी वालों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। डा हिमांशु शर्मा ने बताया कि एड़वोकेट गजेन्द्र सिंह कुंडू को यह सम्मान उनके समाजसेवी कार्यो, देशहित व पूर्व सैनिकों के हितों के लिए किये जा रहे कार्यो व समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए प्रदान किया गया। बताया कि गजेन्द्र सिंह कुंडू हेवा गांव के निवासी ओमप्रकाश चौधरी के सुपुत्र है और वह वर्तमान में बागपत शहर में निवास कर रहे है। गजेन्द्र सिंह कुंडू सात भाई है और सभी भाईयों ने अपने समाजसेवी कार्यो से समाज में एक अलग पहचान बनायी है। गजेन्द्र सिंह कुंडू आर्मी में 35 वर्ष सेवा प्रदान कर चुके है और वर्तमान में जिला पूर्व सैनिक समिति बागपत के जिला महासचिव है और पूर्व सैनिकों के हितों के लिए कार्य कर रहे है। हाल ही में वे देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर पूर्व सैनिकों की परेशानियों, चिंताओं व उनके समाधान की बात को प्रमुखता से उठा चुके है। वर्तमान में वे हिन्द अमन सिक्योरिटी एण्ड़ कंस्लटेंसी, हिन्द नमन सिक्योरिटी एण्ड़ कंस्लटेंसी, कुंडू मैन पॉवर सोल्यूशन के प्रबन्धक व प्रापराईटर है व जिला जाट सभा बागपत के जिला महासचिव भी है और अति व्यस्त होने के बाबजूद ब्लड़ डोनेशन केंप, पौधारोपण, सफाई अभियान आदि विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यो के लिए समय निकाल लेते है। वे गरीब बच्चों की पढ़ाई में, गरीब लड़कियों की शादी आदि में महत्वपूर्ण सहयोग करते है। डाक्टर हिमांशु शर्मा ने समाज में छुपी हुई प्रतिभाओं को देश व दुनिया के सामने लाने के लिए विपुल जैन की प्रशंसा की। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह कुन्डू की धर्मपत्नी कुसुम रानी, बेटा अंकित चौधरी व पुत्रवधु कोमल कुंडू आदि उपस्थित थे।

हिसार में 6 को होने वाला इनसो स्थापना कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक: दिग्विजय

पंचकूला। जननायक जनता पार्टी प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने सोमवार को पंचकूला के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पहुंचकर छात्रों से इनसो स्थापना दिवस व छात्र संघ चुनाव को लेकर संवाद किया। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि आगामी 6 अगस्त को इनसो के 21वें स्थापना दिवस पर हिसार में होने वाले कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ेगा और यह स्थापना दिवस ऐतिहासिक होगा। दिग्विजय ने कहा कि छात्र संघ चुनाव के अब इंतजार की इंतहा हो गई है और सरकार को 5 अगस्त तक का अल्टीमेटम दे रहे हैं कि छात्र संघ चुनाव का शेड्यूल जारी करे। यदि 5 तक चुनाव का शैड्यूल जारी नहीं हुआ तो सरकार इनसो के प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिए तैयार रहे। इस अवसर पर छात्र संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इनसो राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप देशवाल ने कहा कि इस बार 6 अगस्त को हिसार में आयोजित इनसो स्थापना दिवस समारोह में छात्र संघ चुनाव बहाली के लिए प्रदेश के छात्रों की हुंकार देखने को मिलेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सचिव अशोक शेरवाल, जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह नैन, इनसो जिला प्रभारी सारथ तिवारी व किरण पुनिया ने अपने विचार रखे। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष शहरी ओपी सिहाग, भाग सिंह दमदमा भी उपस्थित थे।

किसान सम्मेलन में कृषि की उन्नत तकनीक व कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

सिवानी मंडी । सतीश खतरी प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल पांच अगस्त को सिवानी की श्री कृष्ण प्रणामी धर्मशाला में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित प्रगतिशील किसानों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। ये जानकारी देते हुए भारतीय उद्योग परिसंघ के उप निदेशक विशाल बेरी ने बताया कि पांच अगस्त को सिवानी की श्री कृष्ण प्रणामी धर्मशाला में एक प्रगतिशील किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में हैफेड के मैनेजिंग डायरेक्टर जे गणेशन, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक डॉ नरहरिसिंह बांगड़, बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ अर्जुन सिंह सैनी तथा सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता डॉ सतवीर सिंह कादयान अपने-अपने विभागों की स्कीमों की जानकारी देंगे। उपनिदेशक विशाल बेरी ने बताया कि हरियाणा उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। जिन्होंने कृषि, बागवानी, मछली पालन, सब्जी उत्पादन आदि में नवाचार किया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। किसान सम्मेलन में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा कृषि की उन्नत तकनीक व कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

शहर में बुलेट के साइलेंसर से आने वाली पटाखे की एकाएक आवाज की दशहत, कोचिंग लेने वाली छात्राएं परेशान

तरावड़ी। शहर की सड़कों पर दौड़ रही पटाखा बुलेट लोगों के लिए परेशानी बन गई है। सुबह से लेकर शाम तक सड़कों पर दौड़ रही इस पटाखा बुलेट से लोग परेशान हैं। साइलेंसर से आने वाली पटाखे की एकाएक आवाज की दशहत में आकर कई लोग वाहन से गिरकर चोटिल हो चुके हैं। शहर में इस तरह की करीब दर्जनों पटाखा बुलेट फर्राटा भर रही हैं। शहर में पिछले कुछ समय से पटाखा बुलेट शहर के लोगों के लिए परेशानी बन गई है। सुबह से लेकर शाम तक इस तरह की बाइक सड़कों पर देखी जा रही है। युवा भी इस तरह की बुलेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। शहर में कई ऐसे मैकेनिक हैं जो कि बुलेट के साइलेंसर में एक डिवाइस फिट करते हैं। इस डिवाइस का एक बटन हॉर्न में लगा रहता है। इस बटन को दबाने से बुलेट के साइलेंसर से पटाखे की आवाज आती है। शहर की सड़कों पर जहां कहीं भी भीड़ भाड़ होती है। युवक इसी बटन की मदद से बुलेट से पटाखा चलाते हैं। इस पटाखा की आवाज सुनकर सड़क पर चलने वाले लोगों में कई बार भगदड़ मच जाती है। जिसके चलते कई बार लोग चोटिल भी हो जाते हैं। शहर की कई कॉलोनियों के अलावा कोचिंग सेंटर के आसपास इस तरह की बाइक देखी जा रही हैं। कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली लड़कियों को परेशान करने के लिए भी युवक इस तरह की बुलेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिकायतों के बावजूद पुलिस भी इन पटाखा बुलेट पर अंकुश नहीं लगा पा रही है।

स्टंटबाजी से भी हो रहे हादसे

शहर की सड़कों पर बाइक सवार युवक स्टंट भी कर रहे है। सड़कों पर सुबह और शाम के समय स्टंट करने वाले युवक आसानी से देखे जा सकते हैं। स्टंट करने वाले वाहनों की चपेट में आकर पिछले माह एक बुजुर्ग चोटिल हो गए थे। इसके अलावा कुछ दिन पहले भी एक महिला स्टंट करने वाले वाहन की चपेट में आ गई थी। इसके बावजूद पुलिस स्टंट करने वालों पर शिकंजा नहीं कस पा रही है।।

केंद्र सरकार की सुरक्षा बीमा योजनाओं का लाभ उठाएं आम नागरिक : उपायुक्त अनीश यादव

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने आम नागरिकों से केंद्र सरकार की ओर से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आम नागरिक नाममात्र राशि में अपना बीमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के फार्म हर एक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर 2 लाख रुपए तक का बीमा होता है। उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है तथा इससे 2 लाख रुपए के जीवन बीमा का संरक्षण मिलता है। उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा योजना है। इस योजना के तहत 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवा सकते है। केवल 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर इस योजना में 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा संरक्षण प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि इन बीमा योजनाओं का प्रीमियम उपभोक्ता के बैंक या डाकघर खाते में से ऑटो डेबिट होता है तथा दावे की राशि संबंधित के बैंक खाते में सीधे जमा हो जाती है। इन योजनाओं में नामांकन करवाने के लिए अपने नजदीकी बैंक शाखा अथवा डाकघर से सम्पर्क करें।

महेंद्रगढ़ पुलिस की अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई

विभिन्न मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार कर अपराध पर कसा शिकंजा

नारनौल। महेंद्रगढ़ पुलिस के इस वर्ष के अबतक के कार्यकाल की बात करें तो कई उपलब्धियां महेंद्रगढ़ पुलिस के हाथ लगी, कई बड़ेङ्कबड़े मामले सुलझाने में महेंद्रगढ़ पुलिस आगे रही, साथ ही चिन्हित अपराधों पर भी कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के नेतृत्व में कार्य करते हुए जिला पुलिस सुरक्षित महेंद्रगढ़ के लिए सदैव तत्पर है। जनता को भय मुक्त माहौल प्रदान करने में व मित्रता पूर्ण संबंधों को प्रगाढ़ करने में सदैव अग्रणीय रही है। पुलिस की टीमों ने पिछले 7 महीने में दबिश देकर कई बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिनमें ईनामी बदमाश भी शामिल हैं। इससे आपराधिक मामलों में की कमी आई है। पुलिस ने वर्ष 2023 में जनवरी माह से लेकर अबतक 184 पीओ, 10 अति वांछित, 8 बेल जंपर को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है, साथ ही चोरी की 2 गैंग्स का भी पर्दाफाश किया है। जिनमें से एक गैंग वाहन चोरी और दूसरी गैंग सेंधमारी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देती थी।

इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जुलाई तक अपराधिक आंकड़ों का ब्योरा सांझा करते हुए बताया कि आमजन के सहयोग एवं पुलिस की अपराध और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के चलते अपराधों के आंकड़ों मे पिछले वर्ष की तुलना में कमी आई है। वर्ष 2023 में डकैती का अबतक कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ है।

वर्ष 2023 में वर्ष 2022 से चोरी के कम मामले दर्ज हुए हैं। वर्ष 2023 में चोरी के 16 मामले और वाहन चोरी के 24 मामले कम दर्ज हुए हैं और पिछले साल की तुलना में इस साल ज्यादा मामले सुलझाने में कामयाबी पाई है। नोजल चोरी के मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नोजल बरामद की गई हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ने का काम करके नशे के खिलाफ नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। आर्थिक अपराध के मामलों में महेंद्रगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लाखों रुपए की रिकवरी करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने हरियाणा पुलिस में भर्ती के नाम पर रुपए ठगने के मामले में एकेडमी संचालकों को गिरफ्तार कर गिरोह का पर्दाफाश किया

और लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपितों को गिरफ्तार कर लाखों की नकदी बरामद की गई। साल 2023 में महेंद्रगढ़ पुलिस ने मर्डर के अभियोगों में तत्परता से कार्रवाई करते हुए इस साल दर्ज हुए सभी 16 अभियोगों को सुलझा आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। पिछले साल की तुलना में इस साल हत्या के 8 मामले कम दर्ज हुए हैं।

पुलिस ने वर्ष 2023 में दर्ज अटेम्प्ट टू मर्डर के 12 अभियोगों में आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जो कि पिछले साल की तुलना में 7 अभियोग कम दर्ज हुए हैं।

महेंद्रगढ़ पुलिस ने अवैध शराब का कारोबार करने वालो पर कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत 284 अभियोग अंकित कर 404 आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों से 3897 बोतल अवैध देसी शराब, 23796 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब, 10 बोतल अवैध कच्ची शराब, 2751 बोतल अवैध बियर बरामद की गई है।

वर्ष 2023 में महेंद्रगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थ द्रव्य अधिनियम के तहत 44 अभियोग अंकित कर 48 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे जिला पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किये हैं, जो निम्न हैं-

गांजा- 37 किलो 553 ग्राम

चुरा पोस्त/डोडा पोस्त- 20 किलो 455 ग्राम

इसके अलावा सुल्फा, हेरोइन, स्मैक आदि भी बरामद की गई।

महेंद्रगढ़ पुलिस ने इस वर्ष शस्त्र अधिनियम के अन्तर्गत 39 अभियोग अंकित कर 42 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों से 56 अवैध हथियार और 98 अवैध कारतूस बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त सट्टा खाईवाली कराने वालों, जुआ खेलने वालों पर जुआ अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए जिला महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा जुआ व सट्टा खेलने/करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 38 अभियोग दर्ज करके 94 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जिनसे 5,96,265/ रुपए बरामद किए गए।

जिला महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर यातायात नियमों की पालना करने बारे आमजन को जागरुक किया गया। यातायात के नियमों को तोडने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जिला महेंद्रगढ़ पुलिस के द्वारा इस साल अबतक करीब 30,486 वाहनों का मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत चालान किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे या किसी व्यक्ति द्वारा नशीले पदार्थों का व्यापार करने के बारे में सूचना मिले तो तुरंत इसके इसकी सूचना मोबाइल नंबर 7056606130 अथवा अपने संबंधित पुलिस थाना या चौकी में तुरंत दें।

विधायक छोक्कर की मुश्किलें बढ़ीं, मनी लांड्रिंग का केस दर्ज

चंडीगढ़। समालखा (पानीपत) से कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोक्कर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया है। बीती 25 जुलाई को छोक्कर के 11 प्रतिष्ठानों में की गई रेड और उनसे मिले दस्तावेजों के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस मामले में आगे की जांच अभी जारी है। गुरुग्राम में माहिरा होम्स नाम से छोक्कर के कई प्रोजेक्ट हैं, जिनमें से अधिकांश विवादों में घिरे हैं। फर्जी बैंक गारंटी और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट के अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर करके दस्तावेज बनाने जैसे कई आरोप हैं। विभाग के निदेशक टीएल सत्यप्रकाश की ओर से छोक्कर की कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग की शिकायत पर गुरुग्राम में पुलिस केस भी दर्ज कर चुकी है। उनकी कंपनियों को किसी भी प्रकार के लाइसेंस देने पर पाबंदी है। ईडी ने पिछले सप्ताह मंगलवार को छोक्कर के गुरुग्राम, नयी दिल्ली और समालखा स्थित

बीती 25 जुलाई को छोक्कर के 11 प्रतिष्ठानों में की गई रेड और उनसे मिले दस्तावेजों के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस मामले में आगे की जांच अभी जारी है। गुरुग्राम में माहिरा होम्स नाम से छोक्कर के कई प्रोजेक्ट हैं, जिनमें से अधिकांश विवादों में घिरे हैं।

आवास पर रेड की थी। एजेंसी ने गुरुग्राम में माहिरा होम्स की समस्त प्रॉपर्टी, ऑफिस को सीज कर दिया है। दो फॉर्च्यूनर, दो मर्सिडिज कारों के अलावा लाखों रुपये के गहने और नकदी जब्त की गयी है। रेड के बाद से ही विधायक धर्म सिंह छोक्कर और उनके बेटे सिकंदर अंडरग्राउंड बताए जा रहे हैं। दोनों के मोबाइल फोन भी बंद आ रहे हैं।

360 करोड़ रुपये लेकर नहीं दिये फ्लैट

गुरुग्राम पुलिस द्वारा माहिरा होम्स के खिलाफ दर्ज किए गए धोखाधड़ी के केस भी में छोक्कर और सिकंदर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आरोप हैं कि इस कंपनी ने गुरुग्राम के सेक्टर-68 में 1497 लोगों से फ्लैट के नाम पर 360 करोड़ रुपये इकट्ठे किए, लेकिन फ्लैट नहीं दिये। खरीदार अब प्रदर्शन कर रहे हैं और धरना दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री भावन्तर भरपाई योजना व बागवानी बीमा योजना का लाभ उठाएं किसान- डीसी

करनाल। किसानों की आय में वृद्धि करने व फसल विविधीकरण के तहत लगाई गई बागवानी फसलों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भावन्तर भरपाई योजना व बागवानी बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से जिला के बागवानी खेती करने वाले किसान फसल की खेती के दौरान व उसके उत्पादन के बाद होने वाले जोखिमों को कम कर सकते है। डीसी अनीश यादव ने बताया कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुरू की गई भावांतर भरपाई योजना व बागवानी बीमा योजना बागवानी किसानों के लिए एक अभूतपूर्व योजना है। यह योजना किसानों को सब्जियों व फलों के भाव से जोखिम मुक्त कर उन्हें फसल का उचित दाम दिलाने में कारगर साबित हो रही है। डीसी ने बताया की कई बार यह देखने मे आया है कि किसान जब अपनी बागवानी की फसल को मंडी में बेचने जाता है तो उसको फसल का सही दाम नही मिल पाता। जिससे किसान हतोत्साहित होकर फिर से पारंपरिक खेती करने का विचार करता है। ऐसे किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार फसल में लगने वाले घाटे (नुकसान) को कम करने के लिए भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत मुआवजा व मूल्य के रूप में प्रोत्साहन धनराशि प्रदान करेगी। जिला बागवानी अधिकारी डॉ मदन लाल ने बताया कि इस योजना के तहत निम्नलिखित फसलों आलू, फूल गोभी, गाजर, मटर,टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, बैंगन भिंडी मिर्च, करेला, बंदगोभी, मूली, किन्नू, अमरूद, चीकू,आड़ू, आलूबुखारा, आम, नाशपाती, लीची, आंवला, बेर, लहसुन व हल्दी आदि को सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त सभी फसलों के संरक्षित मूल्य सरकार द्वारा पहले से निर्धारित किए गए है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा निर्धारित संरक्षित मूल्यों से कम बिक्री होने पर जो नुकसान होगा उसकी भरपाई प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को की जाएगी। उत्पादन से पूर्व होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के तहत उत्पादक किसान उपरोक्त फसलों का बीमा भी करवा सकते हैं। डॉ मदन लाल ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सब्जियों व मसालों पर 30000 प्रति एकड़ का बीमा किया जाएगा जिसके लिए किसान को 750 रुपये प्रति एकड़ भुगतान करना होगा। वहीं फलों की खेती पर 1000 प्रति एकड़ का प्रीमियम देखकर किसान 40000 प्रति एकड़ का बीमा करवा सकता है। योजना का लाभ लेने के लिए उत्पादक का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर रजिस्ट्रेशन होने अनिवार्य है। जिला में इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक किसान इस विषय में और अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला बागवानी अधिकारी के कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा खिलाड़ियों और कोचों के लिए नकद इनामों की सौगात

चंडीगढ़-पंजाब को खेल के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने और राज्य में खेल सभ्याचार पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली कैबिनेट द्वारा पास की नयी खेल नीति के आज विवरण जारी करते हुये खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आज पंजाब भवन में प्रैस कान्फ्रेंस के दौरान खिलाड़ियों के लिए नयी सौगातों का ऐलान किया। राज्य सरकार की नयी खेल नीति में नकद इनामों का ऐलान करते हुये खिलाड़ियों और कोचों के लिए अवार्ड और खिलाड़ियों के लिए नौकरियों का रास्ता साफ कर दिया। राज्य के हर गाँव में खेल नरसरी बनाने से लेकर स्टेट स्तर की अत्याधुनिक सहूलतों के साथ लैस सैंटर बनेंगे। खेल मंत्री द्वारा नयी खेल नीति के विवरण विशेष मुख्य सचिव सरवजीत सिंह और माहिरों की कमेटी के मैंबर द्रोणाचारी ऐवार्डी गुरबख़्श सिंह संधू, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के मौजूदा खेल डायरैक्टर और पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के पूर्व खेल डायरैक्टर डा. राज कुमार शर्मा और महाराजा भुपिन्दर सिंह पंजाब खेल यूनिवर्सिटी पटियाला के वाइस चांसलर लैफ्टिनैंट जनरल जे. एस. चीमा की हाज़िरी में जारी किये गए। मीत हेयर ने बताया कि ओलम्पिक खेलों के स्वर्ण,

रजत और कांस्य पदक विजेताओं की मौजूदा इनाम राशि क्रमवार 2. 25 करोड़, डेढ़ करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए से बढ़ा कर क्रमवार 3 करोड़, 2 करोड़ और एक करोड़ करने का फ़ैसला किया। इससे पहले करीब 25 खेल और पदक विजेताओं को नकद इनाम मिलते थे जबकि अब इनकी संख्या बढ़ा कर 80 से अधिक कर दी है। नये खेल मुकाबलों में स्पेशल ओलम्पिक्स, डैफ ओलम्पिक्स, पैरा वर्ल्ड गेमज़ (75, 50 और 30 लाख रुपए), बैडमिंटन के थोमस कप, ओबेर कप, बी. डब्ल्यू एफ वर्ल्ड टूर फ़ाईनल (75, 50 और 40 लाख रुपए), टैनिस के सभी ग्रैंड स्लैम (75, 50 और 40 लाख रुपए), अजलान शाह हॉकी कप (75, 50 और 40 लाख रुपए), डायमंड लीग और मान्यता प्राप्त इंटरनेशनल संस्थाओं के मान्यता प्राप्त टूर्नामैंट (75, 50 और 40 लाख रुपए), डैफ वर्ल्ड कप, ब्लाइंड वर्ल्ड कप (60, 40 और 20 लाख रुपए), यूथ ओलम्पिक खेल (50, 30 और 20 लाख रुपए) आदि शामिल किया गया है। मीत हेयर ने आगे बताया कि पदक विजेता बेहतरीन खिलाड़ियों के लिए तैयार किये विशेष काडर में 500 पोस्टों की व्यवस्था जिनमें 40 डिप्टी डायरैक्टर, 92 सीनियर कोच, 138 कोच और 230 जूनियर कोच शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 2017 कोचों के मुकाबले पंजाब में सिर्फ़ 309 कोच हैं और नयी खेल नीति अनुसार 2360 कोचों की प्रस्तावना है। खिलाड़ियों की तरह कोचों और प्रमोटरों के लिए पहली बार अवार्ड शुरू करने का फ़ैसला किया गया है। मीत हेयर ने बताया कि पंजाब के कोचों को अब ओलम्पियन बलबीर सिंह सीनियर कोच अवार्ड मिलेगा जिसमें 5 लाख रुपए इनाम राशि, ट्राफी और बलेज़र शामिल होगा। इसी तरह खेल को परमोट करने वाली कोई भी निजी संस्था या व्यक्ति के लिए मिल्खा सिंह अवार्ड फार स्पोर्टस प्रमोटरज़/ आर्गेनाइजेशन शुरू किया जा रहा है।

जनमिलन कार्यक्रम को लेकर करनाल कांग्रेस ने लोगों को दिया न्यौता- त्रिलोचन

करनाल। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करनाल में होने वाले जनमिलन कार्यक्रम को लेकर करनाल कांग्रेस के नेता लोगों को न्यौता देने के लिए नुक्कड़ सभाएं कर रहे हैं। सोमवार को सदर बाजार एरिया में अलग-अलग स्थानों पर सभाएं कर जनमिलन कार्यक्रम बारे विस्तार से जानकारी दी गई। कांग्रेस के जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह, पूर्व अध्यक्ष अशोक खुराना, करनाल विधानसभा कोर्डिनेटर गुरविंद्र कौर व रानी कांबोज ने लोगों से संवाद किया। इस मौके पर त्रिलोचन सिंह ने कहा कि हरियाणा की जनता महंगाई, बेरोजगारी और क्राइम की समस्याओं से जूझ रही है। प्रदेश की गठबंधन सरकार ने जनता की भलाई के लिए कोई काम नहीं किया। सीएम के जनसंवाद कार्यक्रमों में पहुंचे लोगों को धक्के मार कर बाहर निकाला गया। जनसंवाद में जनता की सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि छह अगस्त को एसबीएस स्कूल करनाल में कांग्रेस का जनमिलन कार्यक्रम होगा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान व राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा जनता से रूबरू होंगे। हर वर्ग की समस्याओं को सुनकर उन पर संज्ञान लेते हुए कांग्रेस नेता विधानसभा में आवाज उठाएंगे। इस मौके पर अशोक खुराना ने कहा कि पिछले नौ सालों में प्रदेश में समस्याएं बढ़ी हैं। सरकार ने हमेशा जनता को गुमराह किया उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में जनमिलन कार्यक्रम में पहुंचे। गुरविंद्र कौर व रानी कांबोज ने महिलाओं से संवाद करते हुए महिलाएं कांग्रेस के राज में ही सुरिक्षत रह सकती है। जनमिलन कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याओं को प्रमुखता से सुना जाएगा। इस अवसर पर प्रभु दयाल, दया प्रकाश, रोहित जोशी, भारत भूषण, दलीप व्यास, जोगिंद्र कर्दम, कालीचरण, फकीर चंद, हुकम चंद, सुशील जोशी, राकेश, वेद प्रकाश, नानक चंद, नरेंद्र जोशी, वीरेंद्र छावरिया व सुनील पासी मौजूद रहे।

संसार गुणों को पूजता है उम्र या वेष को नहीः उपेन्द्र मुनि

करनाल। पंडित शास्त्री उपेन्द्र मुनि ने कहा है कि अपनी अपनी धोती में हर व्यक्ति नंगा होता है। हर मानव को अपने आप के अन्दर क्या-क्या दुर्गुण भरे हैं, स्वयं में स्वयं को देखना होगा और उन्हें दूर करके निज आत्मा को शुद्ध बनाना होगा। शुद्ध भूमि में बीज अच्छा फलदायक होगा स्वच्छ प्लेट पर ही अक्षर सुन्दर आ सकते हैं। निर्मल कांच में प्रतिविम्व ग्रहण करने की विशेष शक्ति होती है। जिस दिन आपको अपनी आत्मा के सभी तत्व प्रतिविम्बित हो रहेंगे तो फिर ब्राज्ञान / केवल पाने के लिए कहीं अत्यन्त्र जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। हाऊसिंग बोर्ड कालोनी स्थित जैन स्थानक में सभा को संबोधित करते हुए पंडित शास्त्री उपेन्द्र मुनि ने कहा- सुनो में आप लोगों से पूछना चाहता हूँ कि यदि आपकी खाट में खटमल् हो जाएं तो क्या आपको चैन मिलता है, पर में यदि सर्प आजाए तो क्या आप निश्चिंत हो सकते हैं। भोजन

करते समय यदि सूक्ष्म ग्राल आपकी जाड़ दांतों में फस जाए तो क्या आपकी जीभ को पल भर की भी चैन मिल पाती है? नहीं मिल पाती है तो जब तक आपकी आत्मा में एक भी दोष भाव है और आपको । निजी उसके अस्तित्व का पता है तो आपको बैचेन हो जाना चाहिए जब अन्तरात्मा में बैठा दोष बाहर न कर दें तब तक शांति से नहीं बैठना चाहिए बस यही सुख जाएंगे। सेवा का एवं कल्याण का राज चंद दिन क्योंकि गुणों के समक्ष जाति कुल धन वैभव आदि किसी गिनती । उस में नहीं है। असल में गुणों की ही प्रतिष्ठा और कीमत है। गुणों क से ही आत्मा का उद्धार होता है। लोग भगवान महावीर का नाम लेते हैं राजा सिकार्य या रात्री तिमला का नही, कर्मयोगी भगवान कती कृष्ण का नाम लेते हैं वसुदेव या देवकी का नहीं तथा लोग भगवान राम का नाम लेते हैं राजा दशरथ मा रानी कौशल्या का नहीं। अतः गुणों को पैदा करने के लिए दुर्गुणों को मिटाना होगा। और याद रखना अनादिकाल से आत्मा के साथ लगे हुए दुर्गुण एक दिन में दूर नहीं होंगे।-धीरे धीरे प्रयत्न करके एक एक को दुर्गुण हटाइए और उसकी जगह गुणों को स्थान दीजिए। ऐसा करने से एक रोज आपकी आत्मा अनन्त गुणों का भण्डार बन जाएगी। भगवान महावीर राम एवं भगवान श्री कृष्ण की आत्मिक पवित्रता की उनके उली जीवन की साधना का फल मान्य नहीं हैं। जन्म-जन्मान्तरों की निरन्तर साधना के फलस्वरूप होगी ही उनमें उत्कर्ष की चरमा सीमा तक पहुँचने की क्षमता आई है। मुनि उपेन्द्र जी मे कहा-क्या रावण जैसी मर्यादा रखने वाला कोई है? लेकिन यह मत भूलना कि एक अवगुण दूसरे सब सद्गुणों पर पानी फेर देता है। भैया! राजा सिर्फ सीता को लेकर ही तो गया था, उसने सीता के साथ कोई दुर्व्यहार तो नहीं किया, इतने मात्र से रावण को कितना बड़ा दोषो समझा गया। रावण की केवल रामायण में ही निन्ता नहीं की गई, अपितु में आज भी एकल भारत वर्ष उसकी निन्दा करता है। सुनो मनुष्य का जीवन गुलों से ही सुन्दर बनता है। किसी मनुष्य में रूप तो हो मगर गुण न हो तो उसका रूप भी शोभा नहीं त्यम लए पाता। पलाटा का चूत देखने में बहुत सुन्दर होता है पर मुझे फ उसमें लेश मात्र भी नहीं होती। अंत, लोग पलाश के फूल का सीएम गुलाब के फूल सरीखा स्वागत नहीं करते। सारांश मूल्यगुणों का है। मुनिश्री ने कहा- तुम शक्ति पुरुष हो। अतः अपनी शक्ति विहवस में नहीं विकास में लगाइए। देखिए मनुष्य के यही हाथ दूसरे की रक्षा करने के लिए, डूबते को उतारने के लिए और दान देने के लिए होते हैं और उन्हीं हाथों से दूसरों को थप्पड़ लगाया जा सकता है, दूकारों को धक्का देकर गढ़ में गिराया जा सकता है। तात्पर्य यह है कि मनुष्य के पास शक्ति है- उसका लाभ उठाना ना उगना उसकी सुबुद्धि और दुर्बुद्धि पर निर्भर करता है। जैसे आप दूसरों के अवगुणों से घृणा करते हैं, वैसी ही अपने अवगुणों से से भी घृणा रखो। गुनी बनने के लिए यह सर्वोत्तम उपाय है। और गुगरान बनने पर सर्वत्र पूजा होना स्वाभाविक है

फुहारों की आमद में मेकअप और पहनावा

कुछ दिनों पूर्व एक शादी में जाना हुआ। अभी हम दूल्हा-दुल्हन से मिल ही रहे थे कि मेरी नजर पानी से तरबतर पंडाल में प्रवेश करती एक महिला पर पड़ी जिसके गाढ़े मेकअप ने गीले होकर चेहरे को लाल, सफेद और काला बना दिया था। वह बारिश में भीगी अपनी कांजीवरम की महँगी साड़ी को बार-बार झटक रही थी। शादी-ब्याह और पार्टी प्रत्येक मौसम में होते हैं, परंतु बारिश के मौसम में ऐसे समारोहों में बन-सँवरकर जाना अच्छी-खासी मुसीबत हो जाता है। ऐसे मौसम में अपने सौंदर्य को बरकरार रखना काफी मुश्किल होता है। प्रस्तुत हैं कुछ ऐसे उपयोगी टिप्स जिनको ध्यान में रखकर आप बारिश में भी अपने सौंदर्य और पहनावे को सुरक्षित एवं सुरुचिपूर्ण बना सकती हैं-

मेकअप

- इस मौसम में वाटरप्रूफ एवं हल्का-फुल्का मेकअप करें, जो आपके चेहरे को खूबसूरत तो दिखाए ही, साथ ही भीगने पर उसे बदरंग न बनाए।
- बरसात में गीली बिंदी न लगाएँ, क्योंकि गीली बिंदी भीगने पर बहने लगेगी जिससे आपका चेहरा रंग-बिरंगा हो जाएगा। अगर आप डिजाइन वाली बिंदी लगा सकती हैं तो वाटरप्रूफ लिक्विड बिंदी लगाएँ अन्यथा बाजार में मिलने वाली स्टिकर वाली, नगों वाली या कुंदन वाली सुंदर-सुंदर डिजाइन वाली बिंदिया लगा सकती हैं, ये बिंदिया फैलती नहीं हैं।
- सूखे सिंदूर के स्थान पर रेडीमेड स्टिक वाले सिंदूर का ही प्रयोग करें, यह गीले होने पर बहता नहीं है।
- जहाँ तक संभव हो, फाउंडेशन और फेस पावडर का प्रयोग न करें। यदि आवश्यक हो तो फाउंडेशन लगाने के लिए भीगे नम स्पंज का प्रयोग करें। इससे आपका मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा। गाढ़ी और क्रीमी फेस क्रीम के बजाए तरल फेस क्रीम का प्रयोग करें।
- बारिश में गहरे रंग की लिपस्टिक का प्रयोग भूलकर भी न करें, क्योंकि बारिश से भीग जाने पर अक्सर महिलाएँ अपने दुपट्टे या साड़ी के आँचल से अपना मुँह पोंछती हैं। बार-बार ऐसा करने से लिपस्टिक का रंग उनके चेहरे को भी रंगीन बना देता है। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों के चारों ओर लिपलाइन या लिप पेंसिल से होंठों की बाहरी रेखा बनाएँ। ऐसा करने से भीगने पर भी लिपस्टिक फैलेगी नहीं।
- आँखों के लिए काजल के स्थान पर वाटरप्रूफ आइलाइनर या पेंसिल का प्रयोग करें ताकि भीगने पर ये बहे नहीं और आपका सौंदर्य बरकरार रहे। बरसात में ट्रांसपेरेंट वाटरप्रूफ मस्कारे का ही प्रयोग करें। आँखों और आँखों के मेकअप को बारिश से बचाने के लिए हल्के कलर वाले चश्मे का प्रयोग करना उचित रहता है।
- इस मौसम में ग्लिसरीनयुक्त मेडिकेटेड साबुन का ही प्रयोग करें। वैसे जहाँ तक संभव हो, साबुन का प्रयोग कम ही करें।
- बालों में अधिक तेल न डालें एवं भीग जाने पर तुरंत बालों को सुखाएँ अन्यथा गीले बालों में रूसी, जूँ एवं फोड़े-फुँसी होने की आशंका रहती है। सप्ताह में एक या दो बार बालों को शैम्पू से अवश्य धोएँ।
- इस मौसम में बालों का कोई नया हेयर स्टाइल न बनाएँ, क्योंकि भीगने पर आपका स्टाइल खुलकर आपके चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करेगा। इसलिए सीधी चोटी बनाना या छोटे बालों को खुला रखना ही सर्वोत्तम रहेगा।
- सप्ताह में तीन या चार बार रात्रि को सोने से पूर्व क्लींजर या कच्चे दूध से अपनी त्वचा को साफ करें फिर सिरका या टोनर से हल्के हाथ से मालिश करें। आपका चेहरा कांतिमय बना रहेगा।

परिधान

- बारिश में कॉटन, सिल्क और शिफॉन की साड़ियों और सूट के स्थान पर आप सिंथेटिक फेब्रिक से बने वाशेबल कपड़ों का ही चयन करें, क्योंकि ये कपड़े भीग जाने पर शरीर से चिपकते नहीं हैं और जल्दी सूख भी जाते हैं।
- इस मौसम में जहाँ तक संभव हो, ऐसी साड़ियों का चयन करें जिनका ब्लाउज रूबिया या कॉटन के स्थान पर सिंथेटिक कपड़े का हो। साड़ी बहुत अधिक नीची न पहनें ताकि भीग जाने पर यह जमीन से घिसटकर गंदी न हो जाए और आप गीली साड़ी में उलझकर कहीं गिर न जाएँ।
- इस मौसम में एकदम नए वस्त्रों के स्थान पर ऐसे वस्त्रों का ही चयन करें जिनका आप पहले प्रयोग कर चुकी हों, क्योंकि आजकल कुछ वस्त्र ऐसे आते हैं जिनमें प्रथम बार ड्राइक्लीन ही करवानी होती है। बारिश का पानी पड़ने अथवा नमी से नए वस्त्रों के रंग हल्के हो सकते हैं एवं प्रिंट भी धुल सकता है।
- बारिश में रंग छोड़ने वाले कपड़े कभी न पहनें। ऐसे कपड़े भीग जाने पर आपके शरीर को ही रंग-बिरंगा बना सकते हैं। जहाँ तक संभव हो, इस मौसम में आसमानी, गुलाबी, पीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। ये रंग देखने में अच्छे लगते हैं, साथ ही इनके रंग छोड़ने का डर भी नहीं रहता।
- इस मौसम में अच्छी कंपनी की सिंथेटिक लेदर की बरसाती चप्पल या जूतों का प्रयोग करें। इस मौसम में हल्की चप्पल बिलकुल भी न पहनें, क्योंकि रबर की चप्पलों से पैरों के पीछे कीचड़ उछलता है जिससे आपके कपड़ों पर पीछे की ओर छींटें लग जाते हैं, जो देखने में बहुत भद्दे लगते हैं।

मौसम बदल रहा है। बूँदाबाँदी गर्मी की तपन को कुछ देर समेटती है और तन-मन को थोड़ा सुकून मिलता है, पर कुछ ही देर में उमस उस राहत पर पानी फेर देती है। तो इस बदलते मौसम का स्वागत इस तरह से करें कि आपका स्वास्थ्य और सौंदर्य इससे प्रभावित न हो, बस कुछ छुटपुट बातों पर ध्यान दें।

पनीर पकौड़ा

सामग्री: फिलिंग के लिए: आधा टीस्पून अजवायन (सेंककर दरदरा पिसा हुआ), 1/4 कप कद्दूकस किया हुआ प्याज, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 2 टीस्पून कटा हुआ लहसुन, आधा-आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर और गरम मसाला, 1-1 टेबलस्पून धनिया पाउडर और अमचूर, नमक स्वादानुसार।

घोल के लिए: 1 कप बेसन, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी, 1/4 टीस्पून हींग, 1 टेबलस्पून तेल, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 चुटकी खानेवाला सोडा, नमक स्वादानुसार।

अन्य सामग्री: 2 कप पनीर (चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ), 2 टेबलस्पून चाट मसाला, तलने के लिए तेल।

विधि: घोल की सभी सामग्रियों में थोड़ा-सा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। पनीर के टुकड़ों को बीच में से काटें। फिलिंग की सभी सामग्रियों को मिला लें। थोड़ा-सा चाट मसाला छिड़ककर फिलिंग वाला मिश्रण भरें और अच्छी तरह दबा दें। तेल गर्म करें और तैयार पनीर के टुकड़ों को घोल में डुबोकर तल लें। चाट मसाला छिड़ककर चटनी के साथ परोसें।

पैरों के दें आराम सही जूतों का साथ

अकसर गलत नंबर के जूते पहनने से पांवों में छाले पड़ जाते हैं। परिणामस्वरुप चलने-फिरने में कठिनाई होती है। पैरों में थकान रहने का एक महत्वपूर्ण कारण जूतों का पांव में फिट न बैठना ही है। अतएव जूते खरीदते समय उन्हें हर तरह से चैक कर लें। कहीं दोनो में से एक पांव का जूता अलग नंबर का तो नहीं। हमेशा अपने नाप से एक नंबर बड़े जूते पहनें। इससे जूते काटेंगे नहीं, 'शू टेक्नॉलिस्ट' भी इस बात से सहमत हैं।

- हमेशा पांव तिरछे करके ही जूते पहनें।
- कभी भी नैरो टो का शू ना पहनें। इससे पांव दबेंगे।
- जूते पांवों को आराम पहुंचा रहे हैं, इसका भी ध्यान रखें।
- हर रोज एक जोड़ी जूते पहनने के बजाए बदल कर शू पहनें।
- पांवों से दुर्गंध न आए, इसके लिए जूते पहनने से पहले उनमें पाउडर जरुर छिड़क लें।
- जूतों को हमेशा साफ व पॉलिश करके रखें। यदि उनमें लेस हैं तो उन्हें भी साफ करके ही जूतों में लगाएं।
- हील वाले शूज में धअयान रहे कि हील कहीं से उखड़ तो नहीं रही। यदि ऐसा है, तो उसे तुरंत ठीक कराएं, चलते वक्त हील उखड़ जाने से पांव में मोच आ सकती है।
- हील आपके पोस्चर को भी खराब करती है।
- मोजों को हर रोज बदलें।
- जूतों के साथ मोजे हमेशा पहनें, ये पांवों को धूल-मिट्टी से बचाते हैं। साथ ही पैरों में छाले पड़ने की संभावना भी कम हो जाती है।
- कभी भी फटे हुए मोजे न पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2903

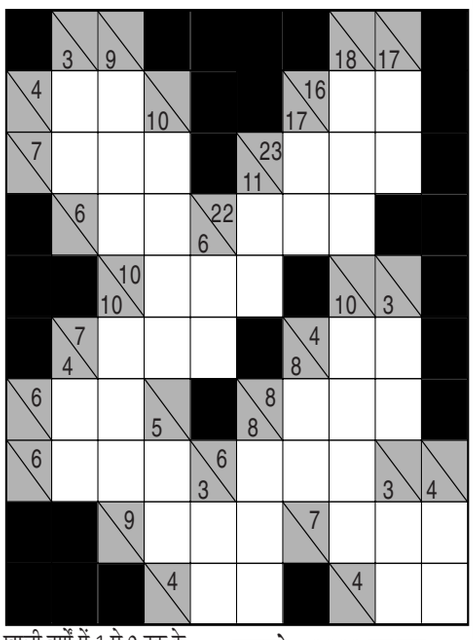

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

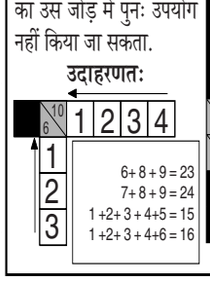

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 2902 का हल

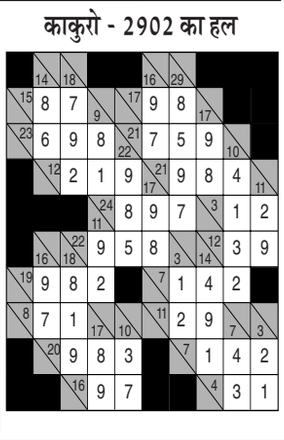

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2903

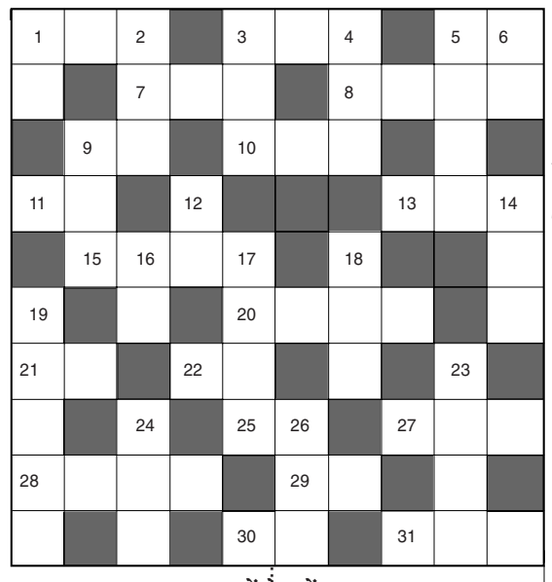

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2902

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	र		प्रि
	ल		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		वीं		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सूडोकु -2903

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2902 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 2903

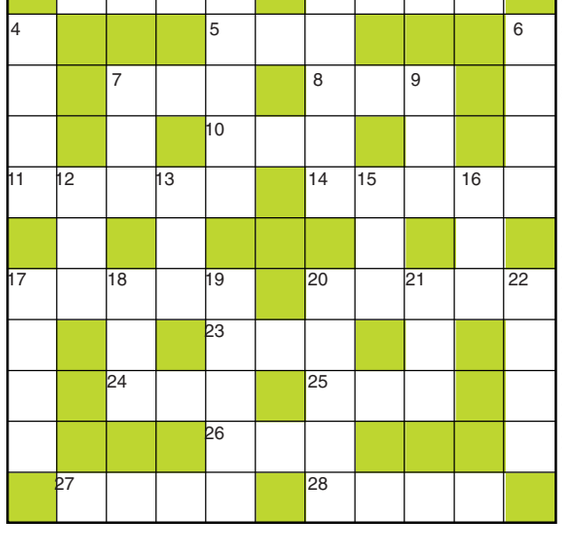

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2902 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

एक्ट्रेस बनने से पहले यह काम करती थीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी 31 जुलाई को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। फिल्म 'फुगली' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत करने वाली कियारा ने कई हिट फिल्मों में काम किया हैं। उन्हें फिल्म 'कबीर सिंह' से काफी लोकप्रियता मिली है। इस फिल्म में उन्होंने 'प्रीति' का किरदार निभाया और आज भी कई लोग उन्हें इसी नाम से बुलाते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं फिल्मों में आने से पहले कियारा आडवाणी क्या काम करती थीं? एक इंटरव्यू के दौरान कियारा ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कुछ खुलासे किए थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस बनने से पहले वो एक प्ले स्कूल में बच्चों को संभालने का काम करती थीं।

कियारा ने बताया था कि वो एक्ट्रेस बनने से पहले बेबी सिटिंग का काम करती थीं। कियारा ने कहा, एक्ट्रेस बनने से पहले मैं अपनी मां के प्री-स्कूल में काम करती थी। मैं वहां सुबह 7 बजे पहुंचकर बच्चों की देखभाल करती थी। मैंने वहां बच्चों को संभालने के सारे काम किए।

एक्ट्रेस ने कहा था कि बच्चों को नर्सरी की कविताएं सुनाती थी, उन्हें अल्फाबेट्स और नंबर्स याद करवाती थी। इतना ही नहीं, मैंने बच्चों के डायपर भी चेंज किए हैं, मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं।

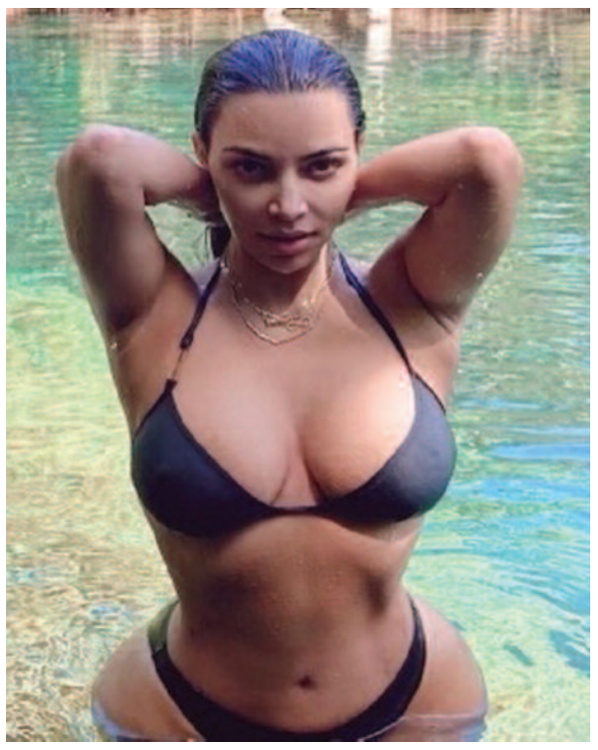

सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही किम

सोशल मीडिया पर हालीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरें इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल होती हैं। इसी बीच किम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से बाथ लेते हुए की कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब कहर बरपा रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन ब्लैक बिकिनी पहने स्विमिंग करती नजर आ रही हैं। बिकिनी पहन वह पानी में खूब गोते लगा रही हैं। नहाने के बाद पूल से बाहर निकल वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक देख उनके फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस की ये फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

'ओएमजी 2' को मिला यूए सर्टिफिकेट, अक्षय कुमार के किरदार में होंगे बदलाव

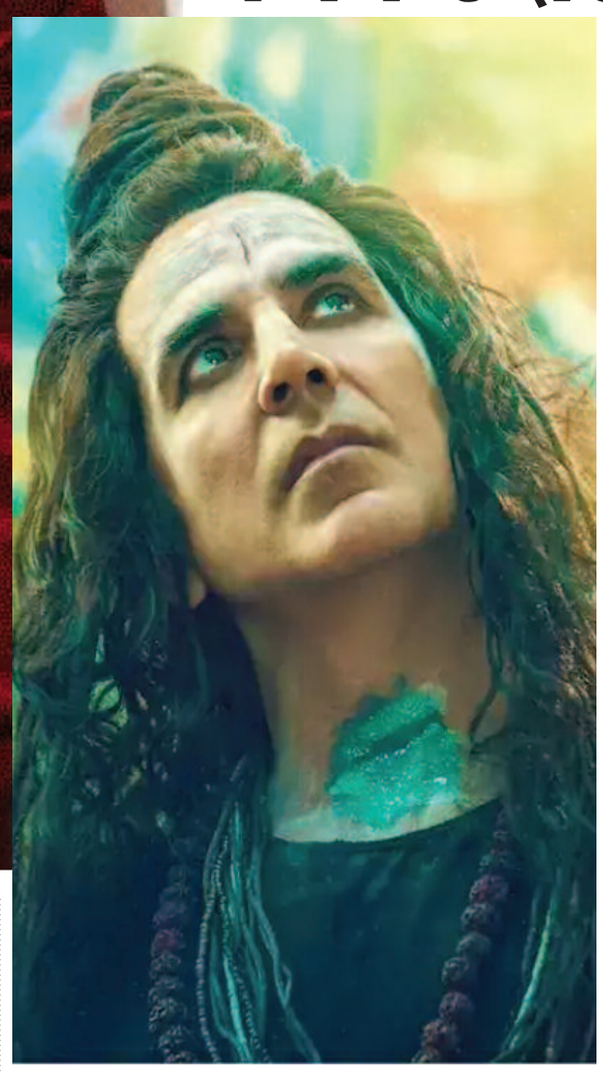

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'ओएमजी 2' टीजर रिलीज के बाद से ही विवादों में उलझी हुई है। टीजर रिलीज के बाद फिल्म के एक सीन को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद सेंसर बोर्ड ने 'ओएमजी 2' की रिलीज पर रोक लगा दी थी और फिलम को वापस रिव्यू कमेटी के पास भेज दिया था।

फिल्म की रिलीज को महज कुछ दिन बचे हैं और सेंसर बोर्ड है फिल्म के सर्टिफिकेट को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पा रहा है। इस फिल्म के मेकर्स और सीएफसी के अधिकारियों के बीच मीटिंग्स का दौर जारी है। बीते दिनों खबर आई थी कि सेंसर बोर्ड में 20 कट्स का सुझाव देते हुए 'ओएमजी 2' को ए सर्टिफिकेट देने की पेशकश की है।

वहीं अब खबर आ रही है कि सेंसर बोर्ड ने 'ओएमजी 2' को यूए सर्टिफिकेट दे दिया है। बोर्ड ने मेकर्स को फिल्म में 20 कट और 15 बदलाव करने के सुझाव दिए हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में अक्षय कुमार के कैरेक्टर को लेकर भी बदलाव किया जा सकता है। फिल्म में पहले अक्षय कुमार को भगवान शिव का अवतार बताया जा रहा था लेकिन अब उन्हें शिव का दूत बताया जा सकता है। बोर्ड की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद अब ये बहुत हद तक संभव है कि फिल्म ओएमजी 2 का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज हो जाए।

फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन हो सकती है। मेकर्स को सेंसर बोर्ड के निर्देशों का पालन करना होगा, इसकी वजह से फिल्म को रिलीज होने में अभी टाइम लग सकता है। 11 अगस्त को रिलीज होने वाली 'ओएमजी 2' का प्रमोशन विवादों की वजह से मेकर्स अभी तक शुरू नहीं कर पाए हैं। बता दें कि 'ओएमजी 2' में अक्षय कुमार के साथ यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अरुण गोविल भगवान राम के किरदार में दिखेंगे। यह फिल्म अमित राय द्वारा निर्देशित और लिखित है।

विक्रांत संग मस्ती करती दिखीं मोनालिसा

हाल ही में भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति विक्रांत सिंह राजपूत संग कुछ लवी-डवी तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, मोनालिसा ने ये तस्वीरें पति विक्रांत सिंह के बर्थडे पर शेयर की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि जमकर मस्ती कर रही हैं। कपल एक दूजे के बाहों में बाहें डाले रोमांटिक पोज भी देता दिख रहा है। वहीं, कइयों में एक्ट्रेस पति पर किस करती नजर आ रही हैं तो कइयों में सोफे पर बैठ मस्ती करती दिख रही हैं। इस दौरान मोनालिसा पिंक टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स में अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। हालांकि, इस दौरान उनका कैजुअल लुक देखने को मिल रहा है। वहीं, उनके पति विक्रांत भी व्हाइट और ब्लू टीशर्ट में कैजुअल नजर आ रहे हैं।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने चार दिन में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया

करण जौहर निर्देशक की कुर्सी पर वापस आ गए हैं! फिल्म निर्माता को उनकी फिल्मों में रोमांस के चित्रण के लिए जाना जाता है और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी इससे अलग नहीं है। सितारों से सजी यह फिल्म जहां आपके चेहरे पर मुस्कान बनाए रखेगी, वहीं यह आपको कभी-कभी भावुक भी कर देगी। लेकिन कुल मिलाकर यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी से कहीं अधिक, एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म है और आपके हर समय के लायक है।

करण जौहर द्वारा निर्देशित रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म रॉकी ??और रानी की प्रेम कहानी ने रिलीज होने के पहले चार दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 52.92 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। निर्माताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जौहर द्वारा निर्देशित रॉकी ??और रानी की प्रेम कहानी दो विपरीत पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से संबंध रखने वाले एक जोड़े की प्रेम कहानी है। इस पारिवारिक मनोरंजन फिल्म में धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन भी हैं।

करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर फिल्म की कमाई के नवीनतम आंकड़ों की जानकारी साझा की। प्रोडक्शन हाउस ने ट्विटर पर लिखा, रंधावा और चटर्जी की यह कहानी बॉक्स ऑफिस को मनोरंजन और प्यार से भर रही है। बैनर के अनुसार, फिल्म ने सोमवार को 7.03 करोड़ रूपये कमाए जिससे कुल कमाई 45.90 करोड़ रुपये से बढ़कर 52.92 करोड़ रुपये हो गई।

शोभिता धूलिपालाने रैंप वॉक के दौरान ईशान खट्टर को किया इग्नोर, सोशल मीडिया पर उड़ा मजाक

शोभिता धूलिपाला ने रैंप वॉक के दौरान ईशान खट्टर को उस समय नजरअंदाज कर दिया जब वे दोनों एक ही डिजाइनर के लिए वॉक करते दिखे। प्रशंसक इस वीडियो को बार बार देख रहेल हैं और दावा कर रहे हैं कि वे इसे 1000 से अधिक बार देख सकते हैं हाल ही में मेड इन हेवन 2 की अभिनेत्री और ईशान ने रैंप वॉक किया। दिल्ली में एक साथ रैंप पर और उनकी केमिस्ट्री शून्य थी और वास्तव में शोभिता द्वारा ईशान को रैंप पर नजरअंदाज करने से सभी का ध्यान आकर्षित हुआ और कई लोग उनके रवैये पर उनकी आलोचना कर रहे हैं और अन्य लोग इसे पसंद कर रहे हैं और उन्हें पेशेवर कह रहे हैं। शोभिता हॉट लग रही थीं, लेकिन ईशान को नजरअंदाज करना शहर में चर्चा का विषय बन गया और वीडियो जंगल की आग की तरह इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर प्रशंसकों और नेटिज़न्स की मजेदार प्रतिक्रियाएं देखें। एक यूजर ने कमेंट किया, 'अब ये नन्हे नेपो किड्स फुटेज लेंगे ज़बरदस्ती चिपकेंगे टैलेंटेड आउटसाइडर से卐। एक अन्य यूजर ने कहा, 卐ईशान को रैंप पर कौन बुलाया..गार्डन भेजना था इसे गोटी खेलने के लिए।卐 एक और यूजर ने कहा, 'उसने उस बेचारे की तरफ देखा तक नहीं।' एक फैन ने कमेंट किया, 'मैं अपनी जिंदगी की समस्याओं को वैसे ही नजरअंदाज कर दूंगा जैसे शोभिता ने ईशान को नजरअंदाज किया था।'

मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया गिगी हदीद

कई दिनों बाद हॉलीवुड एक्ट्रेस गिगी हदीद को मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 28 वर्षीय मॉडल बॉडीकोन ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने व्हाइट मोजे और ब्लैक लोफर्स पेयर किए। चेहरे पर ब्लैक गॉग्लस और खुले बालों में एक्ट्रेस का स्टाइल देखते ही बन रहा है। व्हाइट पर्स हाथ में कैरी किए गिगी कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस का एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। बता दें, गिगी हदीद को प्रिजनर डिटेंशन सेंटर में ले जाने के बाद जमानत पर रिहा किया गया था। जुर्म कबूल करने के बाद उन पर 1,000 डॉलर का जुर्माना लगा था। हालांकि, इस मामले में राहत मिलने के बाद एक्ट्रेस अपने दोस्तों संग चिल करती भी नजर आई थीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011